ज्वाला एक्सप्रेस न्यूज

सच्ची खबर सबसे पहले

आर.एन.आई. नं. :- CHHHIN/2021/82386

online- jwalaexpress.com

वर्ष - 02, अंक -15 | दुर्ग (छ.ग.), दिनांक 06 अप्रैल से 12 अप्रैल 2023 (प्रत्येक गुरूवार) | पृष्ठ - 8, मूल्य - 05 रुपए

स्वास्थ्य मंत्री सिंहदेव ने अनियमित कर्मचारियों से कहा

मुख्यमंत्री से बात रख सकता हूं, इससे ज्यादा मेरी हैसियत नहीं..

रायपुर। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव का कहना है कि, आप लोगों को न्याय मुख्यमंत्री से ही मिल पाएगा। हम लोग खुद ही किनारे हैं। हम आपकी बात मुख्यमंत्री तक रख सकते हैं। लेकिन इससे ज्यादा की मेरी हैसियत नहीं है। पुरानी गलती फिर नहीं करूंगा कि, जो कहूं और करा न पाउं। अंबिकापुर में नियमितीकरण की मांग को लेकर उनका निवास घेरने जा रहे हैं कर्मचारियों से मोबाइल में हुई बातचीत के दौरान अपनी ही सरकार में उपेक्षा का दर्द सार्वजनिक रूप से जाहिर कर चुके, टीएस सिंहदेव ने दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों से हुई बातचीत में एक बार फिर अपना दर्द बयां किया है। प्रदेश के दैनिक वेतनभोगी और अनियमित कर्मचारी पिछले कई सालों से नियमितीकरण की मांग कर रहे हैं। इन मांगों को लेकर कई बार कर्मचारी प्रदर्शन भी कर चुके हैं। अंबिकापुर में भी कर्मचारी रैली निकालकर स्वास्थ्य मंत्री टीएस सिंहदेव के निवास का घेराव करने जा रहे थे। लेकिन इस दौरान पुलिस ने उन्हें बीच में रोक लिया। फिर यहां कर्मचारियों ने मोबाइल फोन के जरिए उनसे बात की। कर्मचारियों ने मोबाइल के पास लाउड स्पीकर रखकर अन्य कर्मचारियों को भी सिंहदेव से हुई बातचीत को सुनाया। इस दौरान कर्मचारी मंत्री से न्याय की मांग करने लगे। और यह भी पूछा कि आखिर दैनिक वेतन भोगी और अनियमित कर्मचारियों का नियमितीकरण सरकार कब करेगी। जिसके जवाब में उन्होंने कहा,आप लोग समझदार हैं। आपको भी सब कुछ पता है। आपके सवालों का जवाब केवल मुख्यमंत्री दे पाएंगे।

पहले भी जता चुके हैं नाराजगी : इससे पहले भी टीएस सिंहदेव अपने बस्तर प्रवास के दौरान राजकीय विमान नहीं मिलने और दंतेवाड़ा में आयोजित उनके कार्यक्रम में जिले के कलेक्टर और एसपी की गैर मौजूदगी की वजह से नाराज दिखाई दिए।दंतेवाड़ा में विधायक देवती कर्मा और उनके परिवार को छोड़कर कांग्रेस के अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी उनसे दूरी बना ली थी। इस उपेक्षा से टीएस सिंहदेव काफी निराश दिखाई दिए थे।

कोरोना के बाद छीसगढ़ में शैक्षणिक रिकवरी अन्य राज्यों से बेहतर

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने आज अपने निवास कार्यालय से एनुवल स्टेट्स ऑफ एजुकेशन रिपोर्ट (असर) - 2022 जारी करते हुए कहा कि कोरोना के वजह से विभिन्न राज्यों में बच्चों के सीखने के स्तर में काफी नुकसान हुआ वहीं छत्तीसगढ़ में 2021 की तुलना में 2022 में स्कूल शिक्षा विभाग और शिक्षकों ने काफी मेहनत कर अपनी पूर्व स्थिति की ओर वापस आना शुरू किया। शीघ्र ही और बेहतर स्थिति में लाने की दिशा में विभाग एकजुट होकर कार्य करेंगे। असर द्वारा छत्तीसगढ़ के 28 जिलों में 1679 गांव के 33 हजार 330 घरों तक पहुंचकर 3 से 16 आयु वर्ग के 64 हजार 131 बच्चों का सर्वेक्षण किया गया। ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों की पूर्व प्राथमिक विद्यालय और विद्यालय में नामांकन की जानकारी एकत्र की गई। 5-16 आयु वर्ग के बच्चों की पढ़ने, गणित और अंग्रेजी के कौशल को समझने के लिए जांच की गई। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने असर रिपोर्ट का विमोचन कर इसे सभी जिले के साथ साझा करते हुए इसके आधार पर जिलों में फॉलोअप एक्शन लेने की दिशा में कार्यवाही करने के निर्देश दिये। उन्होंने यह भी कहा की जिस प्रकार छत्तीसगढ़ में 'अंगना म शिक्षा कार्यक्रम' के माध्यम से माताओं को जोड़ा गया है। राज्य में इस वर्ष ग्रीष्मकाल में यह कार्यक्रम आगे बढ़ाते हुए सीखने-सिखाने की जिम्मेदारी समुदायवार लेते हुए इसके स्तर को और ऊपर उठाने का कार्य किया जाएगा। अप्रैल माह के अंत तक समुदाय को इस कार्य के लिए तैयार कर उनका उन्मुखीकरण कर दो माह तक बच्चों को मूलभूत शिक्षा दी जाएगी। मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि मुख्यमंत्री जतन योजना के अंतर्गत सभी स्कूलों में मरम्मत का कार्य किया जाएगा, ताकि नये सत्र में बच्चों को स्कूल में पढ़ने के लिए आकर्षक वातावरण मिले। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल की मंशा अनुरूप बालवाड़ी खोले जाने और स्थानीय भाषा में पढ़ाई में सहयोग देने के कारण पढ़ाई के स्तर में सुधार हुआ है। स्थानीय भाषा में कार्य करने के लिए जिला स्तर के अधिकारियों को बहुभाषा शिक्षा पर ऑनलाईन प्रशिक्षण दिया गया है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है, जहां बच्चों को स्थानीय भाषा में शिक्षा देने के लिए भाषाई सर्वे के आधार पर सुधारात्मक कार्य करने की दिशा में पहल की गई है। बस्तर के 200 स्कूलों में इस परियोजना के अंतर्गत आगे का काम शुरू हो गया है। पहला सर्वे असर छत्तीसगढ़ - 2021 अक्टूबर-नवंबर में आयोजित किया गया जब महामारी के कारण कई महीने बंद रहने के बाद स्कूल फिर से खुले ही थे। इस रिपोर्ट में स्कूल बंद होने के कारण हुए लर्निंग लॉस पर महत्वपूर्ण अनुमान दिये। असर छत्तीसगढ़ - 2022 लगभग एक साल की 'कैच-अप' गतिविधियों के बाद बच्चों की स्कूली शिक्षा और बुनियादी क्षमता की स्थिति को समझने के लिए नवंबर 2022 में लौटा। इसके साक्ष्य यह समझने में मदद कर सकते हैं कि लर्निंग रिकवरी अब तक कितनी सफल रही है और आगे बढ़ने के लिए किस तरह की मदद की आवश्यकता होगी।

मुयमंत्री भूपेश बघेल ने दुर्ग शहर विधानसभा के गंजमंडी में आम जनता से की भेंट-मुलाकात

आम लोगों की समस्याओं का तुरंत किया समाधान, महेन्द्र और लखनलाल की इलाज की चिन्ता हुई दूर

सुश्री जयश्री के भाई की इंजीनियरिंग की पढ़ाई का खर्च उठाएगी राज्य सरकार

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने आज भेंट-मुलाकात कार्यक्रम के दौरान दुर्ग शहर विधानसभा के गंजमण्डी पहुंचे। यहां जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं आमजनों ने उनका आत्मीय स्वागत किया। आमजनों से बातचीत कर उन्होंने उनकी समस्याएं सुनी और मिनटों में कई समस्याओं का समाधान कर दिया। इस दौरान परिवहन मंत्री और दुर्ग जिले के प्रभारी मंत्री श्री मोहम्मद अकबर, दुर्ग शहर के विधायक श्री अरुण वोरा, खनिज विकास निगम के अध्यक्ष श्री गिरीश देवांगन और महापौर श्री धीरज बाकलीवाल सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

श्री बघेल से मुलाकात करने आए श्री महेन्द्र और श्री लखन लाल शर्मा की स्वास्थ्य संबंधी चिन्ता को दूर करते हुए शासन की तरफसे इलाज कराने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री श्री बघेल को श्री महेन्द्र ने बताया कि वह किडनी के मरीज हैं। उनका नियमित डायलिसिस चलता है। उनके इलाज में बहुत खर्च हो रहा है। उन्होंने फेंसिग तार के लिए लोन लिया था,जिससे बहुत सा कर्ज भी हो गया है। उनकी समस्या सुनकर मुख्यमंत्री ने उसकी बीमारी का इलाज शासन की तरफसे करवाने का आश्वासन दिया। इसी प्रकार श्री लखन लाल शर्मा ने मुख्यमंत्री से मदद मांगते हुए बताया कि हैदराबाद में उनका ऑपरेशन होना है, इसमें 8 लाख का खर्च होगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने 'मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना' के श्री लखन का इलाज करवाने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान श्री सतीश इंदूरकर की पत्नी ने बताया कि पति का स्वास्थ्य खराब है, अभी भी इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि शासन की योजना से डायलिसिस हो पा रहा है। मुख्यमंत्री को सुश्री जयश्री ने बताया कि उसका भाई बारहवीं में पढ़ता है। उसे इंजीनियर बनाना है। जयश्री खुद भी ग्रेजुएट हैं और अभी एमए की पढ़ाई कर रही है। उनके माता-पिता दोनों नहीं है। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को जयश्री के रोजगार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। साथ ही उसके भाई की इंजीनियरिंग की पढ़ाई के खर्च के लिए एस्टीमेट तैयार कर देने कहा। उन्होंने जयश्री को उनके भाई की पढ़ाई का खर्च राज्य सरकार द्वारा वहन करने का आश्वासन भी दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश के कई जिलों से होते हुए भेंट-मुलाकात का सिलसिला आज दुर्ग पहुंचा है। उन्होंने बताया कि फ्री होल्डिंग, आवास नियमितीकरण, बिजली बिल माफ श्री धनवंतरी मेडिकल स्टोर, दाई दीदी क्लिनिक, मुख्यमंत्री शहरी स्लम स्वास्थ्य योजना जैसी कई योजनाएं शहरों में चल रही हैं। राशन कार्ड एक ऐसी योजना जो पूरे प्रदेश में लागू है। मुख्यमंत्री ने लोगों से जानकारी ली कि मेडिकल मोबाइल यूनिट किस-किस वार्ड में जाता है? इस पर श्री विष्णु निषाद ने बताया कि उनकी माँ शुगर पेशेंट हैं। मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से उनका नि:शुल्क इलाज हो रहा है। हर महीने नि:शुल्क दवाई भी मिल रही है। इससे पहले उनके इलाज में हर माह बहुत पैसा खर्च करना पड़ता था।

वार्ड क्रमांक-50 की निवासी श्रीमती अनीता तिग्गा ने मुख्यमंत्री श्री बघेल को बताया कि दूसरे राज्य में राशन कार्ड बना है। मुख्यमंत्री द्वारा पूछने पर उन्होंने बताया कि 5 वर्ष से छत्तीसगढ़ में रहती हूं इस पर मुख्यमंत्री ने कहा कि दूसरे राज्य का नाम कटवा लें, यहां बन जाएगा।

गौठानों में महिलाएं बन रहीं स्वावलंबी : श्री राज कुमार यादव ने बताया कि वे डेयरी चलाते हैं। उन्होंने गोकुल नगर गौठान से जुड़कर 5 लाख 40 हजार का गोबर बेचा है। उन्होंने मुख्यमंत्री को धन्यवाद देते हुए कहा कि गोबर सोना जैसा हो गया है। गोबर बिक्री से ली रकम से उन्होंने डेयरी में पशुओं के लिए शेड लगाया है, नये दुधारु मवेशी भी खरीदे हैं और बच्चों को भी अच्छे स्कूल में पढ़ा रहे हैं। इसी तरह श्रीमती गायत्री ने बताया कि गोबर का संग्रहण कर गांव की महिलाएं स्वावलंबी बन रहीं हैं। वह एमबीए हैं और गौठान में अपने समूह के साथ सुपर कंपोस्ट, वर्मी कंपोस्ट, मुर्गी पालन और बटेर पालन का कार्य करती हैं।

छत्तीसगढ़िया ओलंपिक: खेल और संस्कृति को मिल रहा बढ़ावा : मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान ग्राम बोरसी निवासी माया मिश्रा ने आभार जताते हुए बताया कि 1200 स्क्वेयर फिट से कम में निर्माण के कारण उनके मकान का नि:शुल्क नियमितीकरण हुआ है। मुख्यमंत्री ने उन्हें मकान का वैध मालिक बनने के लिए बधाई दी। श्रीमती ममता साहू ने छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में अपने कबड्डी खेल के अनुभव को साझा किया। इसे सुनकर मुख्यमंत्री ने उन्हें बधाई दी और कहा कि छत्तीसगढ़िया ओलंपिक में प्रदेश के लाखों लोगों ने हिस्सा लिया, इससे हमारे छत्तीसगढ़ के खेल और संस्कृति को बढ़ावा मिल रहा है। राजीव युवा मितान क्लब के सदस्य श्री पुखराज यादव ने कहा कि क्लब के सहयोग से अच्छे कार्य के साथ जुड़ने का अवसर मिल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री बघेल ने सुश्री गीता राजपूत के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि नशा मुक्ति के लिए सामाजिक जागरूकता जरूरी है। इसके लिए अभियान चलाया जाना चाहिए साथ ही उन्होंने लोगों से नशा छोड़ने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसी भी तरह का नशा नुकसानदायक है। धन की बर्बादी के साथ नशा करने वालों की प्रतिष्ठा भी खराब होती है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल के नए भवन का लोकार्पण : मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल दुर्ग के सत्ती चौरा स्थित माँ दुर्गा मंदिर भी पहुंचे। उन्होंने मां दुर्गा की पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों की सुख, समृद्धि और खुशहाली के लिए आशीर्वाद मांगा। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल दुर्ग के दीपक नगर स्थित स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी माध्यम स्कूल भी पहुंचे। उन्होंने यहां एक करोड़ 55 लाख रुपए की लागत से बनाए गए स्कूल के नये भवन का लोकार्पण किया और विद्यार्थियों से बातचीत कर शिक्षण व्यवस्था की जानकारी ली। उन्होंने नए भवन में बनाए गए एक्टिविटी रुम, लाइब्रेरी और स्मार्ट क्लास रुम का अवलोकन किया। यहां सभी आधुनिक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने जताया आभार : मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने भेंट-मुलाकात के दौरान दिव्यांगजनों को आवश्यक सहायक उपकरण एवं प्रोत्साहन राशि भी प्रदान की। साथ ही मोबाइल मेडिकल यूनिट का उद्घाटन किया। इस दौरान आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मानदेय में वृद्धि करने हेतु मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद दिया।

मुख्यमंत्री की घोषणाएं : मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने गंजमंडी में क्षेत्र के विकास के लिए कई विकास कार्यो की सौगात दी। मुख्यमंत्री श्री बघेल ने घोषणा की कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए बोरसी और पटरीपार में आत्मानंद स्कूल खोला जाएगा। उन्होंने नगर निगम दुर्ग के कार्यालय भवन का निर्माण और विधानसभा के विभिन्न वार्डो में बेडमिन्टन कोर्ट व खेल मैदानों का उन्नयन कराने की भी घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने कहा कि जेल तिराहा से मिनी माता चौक तक फोरलेन सड़क और बघेरा में ब्रह्मकुमारी आश्रम के सामने सड़क निर्माण कराया जाएगा। इसके साथ उन्होंने मुक्तिधाम का उन्नयन व निर्माण कराने, इंदिरा मार्केट का संधारण कार्य कराने, मटन-मछली मार्केट का पुनर्निर्माण, लाल बहादुर शास्त्री शाला भवन का निर्माण, शहर के बाह्य क्षेत्र में पाईप लाइन का विस्तार कराने, शहरी क्षेत्र के विभिन्न स्कूलों का संधारण सहित बाह्य विकास क्षेत्र में सड़क, नाली व विद्युत सुविधा का विस्तार कराने की भी घोषणा की।

मुयमंत्री ने नहीं किया जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के सवालों का सामना : पुलिसिया दमन कर गिरतार कराया

दुर्ग। भेंट मुलाकात करने दुर्ग पहुंचे मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से जब जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में भाजपा नेतागण दुर्ग के विकास को लेकर सवाल करने के साथ-साथ दुर्ग की दुर्दशा और जन समस्याओं पर बात के लिए पटेल चौक में एकत्र होने लगे तो प्रशासन ने मुख्यमंत्री से भेंट मुलाकात करवाने की बजाए 100 से ज्यादा भाजपा नेताओं को गिरफ्तार कर लिया। भूपेश बघेल को जनहित के सवालों से बचाने के लिए पुलिस ने भाजपा नेताओं को सेक्टर 6 कोतवाली थाना में गिरफ्तार कर रखा।

गिरफ्तारी पश्चात जिला भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र वर्मा ने कहा कि भेंट मुलाकात कार्यक्रम जब स्वयं मुख्यमंत्री ने आहूत किया है तो उनको भेंट मुलाकात के लिए किसी से कोई परहेज नहीं होना चाहिए, चाहे वो उनके स्वयं के दल का व्यक्ति हो, आम जनता हो या विरोधी दल का व्यक्ति हो, मुख्यमंत्री को सबसे समान भाव रखते हुए भेंट मुलाकात करना चाहिए परंतु मुख्यमंत्री पूर्वाग्रह से ग्रसित है और भाजपा के सवालों के आगे निरुत्तर हैं इसीलिए एक निरुत्तर मुख्यमंत्री ने कायराना हरकत करते हुए भाजपा कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार करवाकर सवालों से बचने का प्रयास किया है।

जिला भाजपा अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा ने कहा कि भेंट मुलाकात के नाम पर छलावा किया जा रहा है, छलावा करने वाले ऐसे भेंट मुलाकात कार्यक्रम का कोई औचित्य नहीं है। मुख्यमंत्री का भेंट मुलाकात कार्यक्रम पूरी तरह सरकार प्रायोजित कार्यक्रम है, जिसमें सवाली भी सरकार द्वारा चयनित व प्रायोजित है और जवाब देने वाला भी खुद सरकार का मुखिया है। यदि एक राजनीतिक पार्टी का जिला अध्यक्ष अपने शहर की दुर्दशा को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री से शांतिपूर्ण तरीके से सवाल करना चाहता है तो मुख्यमंत्री को उन सवालों का सामना करना चाहिए लेकिन मुख्यमंत्री हमारे सवालों का सामना करने की बजाय पुलिस को आगे करके सवालों से बचने का प्रयास कर रहे हैं। मुख्यमंत्री का दमनात्मक रवैया जनता देख रही है कि कैसे एक मुख्यमंत्री खुद ही भेंट मुलाकात का कार्यक्रम आयोजित करते है और उसी कार्यक्रम में उनसे मिलकर विकास के लिए कोई प्रश्न करना चाहता है तो मुख्यमंत्री पीठ दिखाते हैं और पुलिस को सामने करके दमन करने का प्रयास करते हैं।

जिला महामंत्री ललित चंद्राकर और सुरेंद्र कौशिक ने कहा कि एक तरफतो भेंट मुलाकात के लिए सबको आमंत्रित किया जाता है तो ऐसे आमंत्रण के आधार पर जब कोई मुख्यमंत्री से मिलकर शहर की दुर्दशा और विकास पर बात रखना चाहता है तो जवाब देने और कार्यवाही करने की बजाय वह आमंत्रित लोगों को गिरफ्तार करवाते हैं। शहर की दुर्दशा और विकास के सवालों से भागने वाला मुख्यमंत्री पहली बार देखा गया है।

जिला भाजपा जितेंद्र वर्मा के नेतृत्व में मुख्यमंत्री से भेंट मुलाकात हेतु एकत्र गिरफ्तार कार्यकर्ताओं में जिला महामंत्री ललित चंद्राकर, सुरेंद्र कौशिक, जिला उपाध्यक्ष विनायक नातू, केएस चौहान, जिला मंत्री आशीष निमजे, अजय तिवारी, प्रीतपाल बेलचंदन, डॉ. देवनारायण तांडी, संतोष सोनी, भोमराज जैन, प्रकाश साहू, राहुल सिंह तिजील, मुकेश सोनकर, मुकेश बेलचंदन, गौरव शर्मा, अनिकेत यादव, राकेश यादव, उमेश गिरी गोस्वामी, योगेश यादव, चंद्रकांत साहू सहित अनेकों कार्यकर्ता शामिल रहे। इसके पहले पुलिस द्वारा भाजयुमो जिला अध्यक्ष जीत यादव, नितेश साहू, शुभम साहू, चंद्रकांत साहू, गोपू पटेल, संजू कुमार, कुंदन साहू, अविनाश राजपूत, प्रवीण साहू को शुक्रवार सुबह ही गिरफ्तार कर लिया था।

संक्षिप्त समाचार

कर्मचारी डाटा बैस तैयार करने तकनीकी कर्मचारियों को दिया गया प्रशिक्षण

बिलासपुर। राज्य विधानसभा के आम निर्वाचन 2023 की तैयारियों के संबंध में मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी रायपुर द्वारा मतदान दलों के गठन हेतु कर्मचारी डाटा बेस तैयार करने के लिए कर्मचारी डेटा प्रविष्टि साफ्टवेयर का निर्माण किया गया है। जिला कार्यालय के मंथन सभाकक्ष में आयोजित प्रशिक्षण में साफ्टवेयर में डेटा संबंधी प्रविष्टियों के लिए जिला स्तरीय मास्टर ट्रेनर द्वारा सभी विभागों के तकनीकी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती ललिता भगत ने विभागों के नोडल अधिकारियों एवं तकनीकी कर्मचारियों से डेटा की सही-सही प्रविष्टि करने के साथ ही प्रविष्टि कार्य 15 दिनों की समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए है।

सहकारी समिति का निर्वाचन कार्यक्रम जारी

बिलासपुर। छ.ग. राज्य सहकारी निर्वाचन आयोग के आदेशानुसार श्री मनीष वर्मा को कमलाश्री एन्क्लेव आवासीय सहकारी समिति कपिल नगर सरकंडा का रिटर्निंग अधिकारी नियुक्त किया गया है। जारी निर्वाचन कार्यक्रम के अनुसार 16 अप्रैल को नामांकन पत्र की प्राप्ति, 23 अप्रैल को आमसभा आयोजित कर मतदान एवं मतगणना एवं 29 अप्रैल को अध्यक्ष एवं उपाध्यक्ष का निर्वाचन सम्पन्न कराया जाएगा।

सर्किट कोर्ट सीटिंग कैप का आयोजन 10 से 14 अप्रैल तक

बिलासपुर। केन्द्रीय प्रशासनिक अधिकरण जबलपुर न्यायपीठ जबलपुर (म.प्र.) का सर्किट कोर्ट सीटिंग कैम्प 10 अप्रैल से 14 अप्रैल 2023 तक जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। बैठक में जस्टिस श्री अखिल कुमार श्रीवास्तव शामिल होंगे।

अप्रेंटिसशीप मेला का आयोजन 10 अप्रैल को

बिलासपुर। आदर्श औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था कोनी में 10 अप्रैल को सुबह 9 बजे से अप्रेंटिसशीप मेला का आयोजन किया जाएगा। आयोजित मेले में बिलासपुर जिले के औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं से विद्युतकार, फ्टिर, मैकेनिक ट्रेक्टर, डीजल मैकेनिक, वेल्डर एवं कोपा (टेली के साथ) व्यवसाय के उत्तीर्ण प्रशिक्षणार्थी अपने समस्त दस्तावेजों के साथ शामिल हो सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए आईटीआई कोनी में कार्यालयीन समय पर संपर्क कर सकते है।

संपाकिर और जलकर पर माकपा के तेवर कड़े, कहा-माफ करे या 13 को घेराव झेले निगम

कोरबा। मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी ने जनहित के मुद्दों परए विशेषकर संपत्ति कर और जल कर के सवाल पर, अपने तेवर कड़े कर लिए हैं। निगम के बजट सत्र से माकपा पार्षद राजकुमारी कंवर के वाक आउट के बाद यह मुद्दा गर्मा गया है। आज माकपा जिला सचिव प्रशांत झा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कोरबा महापौर राजकिशोर प्रसाद को ज्ञापन सौंपकर गरीब किसानों और भू-विस्थापितों का संपत्ति कर और जल कर माफ करने की पुन: मांग की है तथा 13 अप्रैल को निगम घेराव की चेतावनी भी दे दी है। ज्ञापन सौंपने वालों में किसान सभा के जिला अध्यक्ष जवाहर सिंह कंवर, माकपा पार्षद राजकुमारी कंवर सहित देव कुंवर, दामोदर श्याम, रेशम यादव, जय कौशिक, सुरेंद्र सिंह कंवर एवं अन्य शामिल थे। उल्लेखनीय है कि निगम सरकार के लिए माकपा का समर्थन पाने के लिए कांग्रेस ने कर माफी के मुद्दों सहित बांकी मोंगरा जोन के पिछड़ेपन को दूर करने का सार्वजनिक रूप से वायदा किया था। इसकी सार्वजनिक घोषणा भी राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल ने एक पत्रकार वार्ता में की थी, लेकिन महापौर इस वादे पर अमल नहीं कर पाए। इसके साथ ही माकपा ने स्पष्ट कहा था कि निगम क्षेत्र में आउट सोर्सिंग और निजीकरण के प्रस्तावों का पार्टी समर्थन नहीं करेगी। माकपा जिला सचिव प्रशांत झा का कहना है कि नगर निगम द्वारा गरीबों किसानों, भू-विस्थापितों एवं करोना काल के पीड़ितों को संपत्ति और जल कर का नोटिस देकर घर कुर्क करने की कार्यवाही की जा रही है, जिसका मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी विरोध करती है। उन्होंने कहा कि निगम गठन के बाद बांकी मोंगरा के विकास की उपेक्षा की गई है। इसके कारण सर्वमंगला सहित अन्य जोन में पानी, बिजली, सड़क, स्ट्रीट लाईट, नाली साफ सफाई आदि मूलभूत सुविधाओं से नागरिक वंचित हैं। इस क्षेत्र में अभी भी ग्रामीण परिवेश में ही बड़ी संख्या में आदिवासी, दलित, पिछड़ा समुदाय के किसान खेती-किसानी व मजदूरी से अपना जीवन यापन करते आ रहे हैं।

साढ़े 7 करोड़ में 7 नहीं, 2.85 करोड़ में खरीदी गई 5 मशीनें

सड़कों में लोड देकर की जाती है गुणवत्ता परीक्षण

- सड़कों की जांच एवं रिसर्च के लिए खरीदी गई डिफ्लेक्टोमीटर मशीन, आसान हुई सड़कों की जांच
- दो बरस में की गई 12 सड़कों की 109 किमी लम्बी सड़कों की जांच

बिलासपुर/ संवाददाता

पीएमजीएसवाई सड़कों की गुणवत्ता जांच एवं रिसर्च कार्य में अत्याधुनिक डिफ्लेक्टोमीटर मशीन के जरिए काफी मदद मिल रही है। बिलासपुर सहित छत्तीसगढ़ की सभी पांच संभागों में सरकार द्वारा इस तरह की पांच मशीनें मुहैया कराई गई है। प्रत्येक मशीन की कीमत 56 लाख 90 हजार रूपये की है। इस प्रकार 2 करोड़ 85 लाख की लागत से आई 5 मशीनों से प्रदेश में सड़क जांच का काम अब काफी सुगम हो गया है। मशीन खरीदने के लगभग दो वर्ष में अकेले बिलासपुर जिले में 12 सड़कों की जांच की गई। इन सड़कों की 109 किलोमीटर लम्बाई के कई स्थानों पर जांच कर सड़कों की लोड क्षमता एवं भविष्य में सुधार संबंधी रिपोर्ट प्रस्तुत किये गये हैं। पीएमजीएसवाई के अंतर्गत ग्रामीण सड़क नेटवर्क प्रबंधन इकाई की ईई अंजू सिंह चंदेल ने इन मशीनों की उपयोगिता को लेकर कतिपय मीडिया संस्थान द्वारा सवाल उठाये जाने पर स्पष्टीकरण जारी किये हैं। कार्यपालन अभियंता सुश्री अंजू सिंह ने बताया कि इण्डियन रोड कांग्रेस की गाईड लाईन एवं मानकों के अनुरूप इन अत्याधुनिक मशीनों की खरीदी नियमानुसार की गई है। ग्लोबल टेण्डर के जरिए इनकी खरीदी की गई है। प्रत्येक मशीन की लागत 56 लाख 90 हजार रूपये है। इस प्रकार प्रकार पांचों संभाग के लिए आई डिफ्लेक्टोमीटर मशीन की लागत 2 करोड़ 85 लाख रूपय की है। जबकि प्रकाशित खबर में 7 मशीनों की खरीदी साढ़े 7 करोड़ रूपये बताई गई है। बिलासपुर जिले को 7 जनवरी 2021 को मशीन प्राप्त हुई। इसके बाद 24 जनवरी को मशीन का पहला उपयोग शुरू किया गया। मशीन युक्त वाहन अब तक 2700 किलोमीटर से ज्यादा चल चुकी है। इस दौरान 12 सड़कों में जांच का काम पूर्ण कर लिया गया है। एनआईटी रायपुर द्वारा भी तीन दफा इन मशीनों का इस्तेमाल सड़क परीक्षण के लिए किया गया है। मशीन के माध्यम से सड़कों में अलग अलग क्षमता के लोड देकर उनके डिफ्लेक्शन को रिकार्ड किया जाता है। मशीन से 2,4,6,8 टन अथवा इससे ज्यादा क्षमता का लोड दिया जा सकता है। पीएमजीएसवाई सड़कों सहित सभी तरह की सड़कों की लोड क्षमता की जांच के लिए यह मशीन सक्षम है। मशीन के संचालन के लिए विभाग के सब इंजीनियर श्री प्रशांत सिंह चौहान को प्रशिक्षित किया गया है। जरूरत के अनुसार वाहन चालक का इंतजाम विभाग द्वारा किया जाता है।

संरक्षा के सजग प्रहरी को महा प्रबंधक ने सम्मानित किया.....

बिलासपुर/ संवाददाता

रेल परिचालन में संरक्षा दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता है । सजगता एवं बेहतर संरक्षा कार्य में सहभागिता निभाने वाले रेल संरक्षा के सजग प्रहरी कर्मचारियों का सम्मान महाप्रबंधक, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के द्वारा हर माह की शुरुआत में आयोजित संरक्षा बैठक के दौरान किया जाता है । इसी कड़ी में आज दिनांक 05 अप्रैल, 2023 को रायपुर मंडल में कार्यरत श्री पुनिराम, गेटकीपर को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय संरक्षा सबंधी कार्य निष्पादन के लिए महाप्रबंधक श्री आलोक कुमार के द्वारा सम्मानित किया गया । दिनांक 16 फरवरी, 2023 को रायपुर मंडल के लेवल क्रॉसिंग संख्या 392 में कार्यरत श्री पुनिराम को डाउन लिने में गुजर रही मालगाड़ी में हॉट एक्सल दिखाई दिया । उन्होने इसी अविलब सूचना हथबंध रेलवे स्टेशन को दी । जब पर ट्रेन को हथबंध स्टेशन में रोककर हॉट एक्सल को अलग किया गया है । श्री पुनिराम ने सतर्कता का परिचय देते हुए संरक्षित परिचालन के लिए प्रशंसनीय कार्य किया । संरक्षा के इस सजग प्रहरी को सम्मानित किए जाने के अवसर पर अपर महाप्रबंधक, प्रधान मुख्य संरक्षा अधिकारी सहित सभी विभागाध्यक्ष उपस्थित थे ।

दिव्यांग खिलाड़ी अभिजीत के सपने को साकार करने उद्योगपति अग्रवाल ने की 51 हजार रूपये की मदद

बिलासपुर/ संवाददाता

शहर के 17 वर्षीय दिव्यांग युवा खिलाड़ी अभिजीत सखुजा ने राष्ट्रीय पैराबैडमिंटन चैम्पियनशीप में स्वर्ण पदक जीतकर छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित किया है। श्री अभिजीत मई 2024 में पेरिस में आयोजित पैरालिम्पिक में हिस्सा लेना चाहते है। उनके इस सपने को साकार करने के लिए शहर के उद्योगपति एवं समाज सेवी श्री मनोज अग्रवाल ने पहल की है। श्री अग्रवाल ने अभिजीत को 51 हजार रूपए की आर्थिक सहायता प्रदान करते हुए चेक जिला कलेक्टर श्री सौरभ कुमार को सौंपा, जिसे एडीएम श्री आर.ए.कुरूवंशी ने अभिजीत की माता श्रीमती सुदीक्षा सखुजा को आज जिला कार्यालय में सौंपा। अभिजीत फिलहाल पेरिस में होने वाले पैरालिम्पिक के लिए लखनऊ में बैडमिण्टन की ट्रेनिंग ले रहे है। एडीएम ने राष्ट्रीय स्तर पर शानदार प्रदर्शन के लिए अभिजीत और उनकी माता को बधाई और शुभकामनाएं दी है। उन्होंने आशा व्यक्त की है कि अभिजीत अपने उम्दा खेल प्रदर्शन से आगे भी इसी प्रकार छत्तीसगढ़ को गौरवान्वित करेंगे।

कांग्रेस के यंग इंडिया के बोल सीजन 3 की शुरुआत-विधायक डॉ विनय जायसवाल.....

- यंग इंडिया के बोल भारतीय युवा कांग्रेस का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट

मनेन्द्रगढ़। युवा कांग्रेस द्वारा बुधवार को लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में विधायक डॉ विनय जायसवाल और नगरपालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल की मौजूदगी में यंग इंडिया के बोल सीजन 3 का विमोचन के लिये प्रेसवार्ता का आयोजन किया गया। विदित हो कि कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के द्वारा यंग इंडिया के बोल की शुरुआत किया गया था। विमोचन के दौरान विधायक प्रतिनिधि और नगर निगम चिरमिरी के पार्षद शिवांश जैन ने बताया कि यंग इंडिया के बोल भारतीय युवा कांग्रेस का एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट है। इसके तहत आम और सामान्य पृष्ठभूमि के प्रतिभाशाली युवाओं को राजनीतिक मंच मुहैया कराया जाता है,उन्होंने बताया कि जिस दौर में भाजपा नागरिकों की अभिव्यक्ति पर आक्रमण कर रही है। उस दौर में युवा कांग्रेस देश के युवाओं को बोलने का मंच प्रदान कर रही है। इस अवसर पर विधायक डॉ विनय जायसवाल ने बताया कि युवाओं को राजनीति से जोड़कर लोकतंत्र को मजबूत बनाना इस कार्यक्रम का मुख्य लक्ष्य है। पिछले दो सीजन की अभूतपूर्व सफलता के बाद तीसरा सीजन शुरू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि खासकर सरकार के खिलाफ देशभर के युवाओं को कार्यक्रम के माध्यम से ताकत मिल रही है जिससे वे खुलकर समाज के सामने अपनी बातों को रख सकेंगे।

नगरपालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल ने केंद्र सरकार पर जमकर निशाना साधते हुए कहा कि भाजपा द्वारा युवाओं की आवाज को दबाने की कोशिश की जा रही है। उनके हितों से जुड़े विषयों पर सरकार मौन हैं ऐसे में यह कार्यक्रम उन्हें शक्ति देगा। इस सीजन में युवा निबंध, कविता एवं व्यंग के माध्यम से अपने विचारों को रखेंगे विमोचन कार्यक्रम में मनेन्द्रगढ़ विधायक डॉ विनय जायसवाल, नगरपालिका अध्यक्ष प्रभा पटेल, ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश शर्मा, नगर पंचायत झगराखाण्ड के अध्यक्ष रजनीश पाण्डेय, उपाध्यक्ष सत्तार अली, शिवांश जैन, ऋषि राज समेत अन्य कार्यकर्ता मौजद रहे।

कोरबा वन मंडल में यूरेशियन ऊदबिलाव दिखा

कोरबा। छत्तीसगढ़ में समृद्ध वन्य जीवन की एक और अच्छी खबर आई है, किंग कोबरा के रहवास के लिए चर्चा में आए कोरबा में अब यूरेशियन ऊदबिलाव दिखा है। इसे इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ने प्रकाशित किया है। यूरेशियन ऊदबिलाव एक जलीय स्तनपायी है। यह यूरोप, उत्तरीय अफ्रीका और एशिया के जलमार्गों व तटीय हिस्से में पाए जाते हैं, दुनियाभर में पाए जाने वाली ऊदबिलावों की 13 प्रजातियों में से 3 प्रजातियां भारत में पाई जाती हैं उन तीन ऑटर ऊदबिलाव में से एक यूरेशियन ऑटर कोरबा वन मंडल में मिला है। अब तक भारत के सात राज्यों में इस खास ऊदबिलाव का पता चला है।

नवजात शिशु की हत्या मामले में चौकी करंजी पुलिस ने आरोपी दादी को किया गिरफ्तार

- संदेह के आधार पर पुलिस ने मिताली से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बताया कि लड़की पैदा हुई थी

सूरजपुर। दिनांक 01 अप्रैल 2023 को ग्राम करंजी निवासी पंकज विश्वास ने चौकी करंजी में रिपोर्ट दर्ज कराया कि दिनांक 01.04.2023 को सुबह काम करने राईस मिल गया था। घर में पत्नी, बहु, नतनीन उम्र 15 दिन घर में थे, दूसरे घर में मॉ, भाई, बहु थे, शाम को मोबाईल के माध्यम से जानकारी मिला कि नतनीन जिसकी उम्र 15 दिन है अपने मॉ के साथ सोई थी जिसे कोई अज्ञात व्यक्ति उठाकर ले गया है। सूचना पर यह घर पहुंचा जहां भीड़ लगा हुआ था। मामले की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने चौकी करंजी पुलिस सहित पुलिस अधिकारियों को मौके पर भेजते हुए घटना स्थल का बारीकी से मुआयना कर नवजाव बच्ची की खोजबीन करने तथा बच्ची को उठाकर ले जाने के मद्देनजर पूरे जिले की पुलिस को एलर्ट कर घेराबंदी करने के निर्देश दिए। मौके पर पहुंची पुलिस के द्वारा नवजात शिशु का खोजबीन करने के दौरान बाड़ी स्थित कुआं में झगर डालकर देखा गया तो नवजात शिशु कपड़ा में फंसकर कुआं के पानी के उपर निकला जिसकी मृत्यु हो चुकी थी। अज्ञात व्यक्ति के द्वारा नवजात शिशु को बिस्तर से उठाकर हत्या करने के नियत से कुआं के पानी में फेंक दिया होगा कि सूचना पर मर्ग कायमी उपरान्त अपराध क्रमांक 62/23 धारा 302, 201 भादसं. के तहत मामला पंजीबद्ध किया गया। पुलिस महानिरीक्षक, सरगुजा रेंज श्री राम गोपाल गर्ग (भा.पु.से.) के सतत् मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री रामकृष्ण साहू (भा.पु.से.) ने चौकी प्रभारी करंजी को मामले की गंभीरतापूर्वक बारीकी से विवेचना करते हुए आरोपी की पतासाजी कर गिरफ्तार करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मधुलिका सिंह व सीएसपी जे.पी.भारतेन्दु के मार्गदर्शन में चौकी करंजी पुलिस के द्वारा विवेचना की गई। पूछताछ में नवजात शिशु कि मॉ ने बताया कि जब यह अपनी नवजात शिशु के साथ सो रही थी तब इसकी सास मिताली विश्वास इसके बच्ची को उठाकर ले गई थी जब यह सोकर उठी तो अपने सास से बच्चे के बारे में पूछा तो वह बोली कि बच्ची को नहीं लाई है। संदेह के आधार पर पुलिस ने मिताली से कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बताया कि लड़की पैदा हुई थी इसी कारण यह बच्ची को उठाकर ले गई और कुआं में फेंक दी। मामले में आरोपी मिताली विश्वास पिता पंकज विश्वास उम्र 48 वर्ष निवासी ग्राम करंजी के विरूद्ध अपराध सबूत पाए जाने पर उसे गिरफ्तार किया गया। इस कार्यवाही में चौकी प्रभारी करंजी संजय गोस्वामी, एएसआई मनोज द्विवेदी, गुड्डु कुशवाहा, प्रधान आरक्षक उमाशंकर कुशवाहा, आरक्षक मितेश मिश्रा, सत्य नारायण सिंह, महिला आरक्षक अनिता राजवाड़े व सैनिक साहेब गनी सक्रिय रहे।

कैलाशपुर विद्यालय के छात्रों का राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयन-चयनित खिलाड़ी राज्य का करेंगे प्रतिनिधित्व.....

सूरजपुर/ संवाददाता

22 वीं राज्य स्तरीय स्कूल गेम प्रतियोगिता 2023 के रग्बी, लंगोरी, जम्परोप, कूडो व कॉर्फबॉल खेल का आयोजन कोरबा, डोंगरगढ़ व महासमुंद में किया गया। 22 वी राज्य स्तरीय स्कूल गेम प्रतियोगिता में व्यायाम षिक्षक राजकुमार नायक के नेतृत्व में शा.उ.मा.वि.कैलाषपुर, विकासखण्ड सूरजपुर के लगभग 20 बालिका व 17 बालक वर्ग के खिलाडियों ने अंडर-17 व 19 वर्ग में भाग लिया, जिसमें से फुटबॉली अंडर-19 के बालक वर्ग में सुनिल महंत व बालिका वर्ग में सुस्मिता टोप्पो, पायल गुप्ता, सुनिता राजवाड़े तथा रग्बी खेल के अंडर-19 में इन्द्रमनी राजवाड़े का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु किया गया है। जिले के खिलाडियों के द्वारा राज्य स्तरीय स्कूल गेम प्रतियोगिता में 07 स्वर्ण, 05 रजत व 03 कांस्य पदक हासिल करने पर शा.उ.मा.वि.कैलाषपुर के प्राचार्य मनी शंकर ने बधाई देते हुये महाविद्यालय में राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयनित खिलाड़ियों को सम्मानित किया। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में रग्बी अंडर-19 बालक वर्ग खेलसाय राजवाडे, जय सिंह, उमेष्वर सिंह, हेमनारायन व बालिका वर्ग में इंद्रावती राजवाडे, भगवती राजवाडे, सुनिता राजवाडे, मीना राजवाडे, बिन्दिया राजवाडे, रग्बी अंडर-17 बालक वर्ग में जय जगदीष राजवाडे, रविकांत राजवाडे, समीर सिंह, देवप्रसाद राजवाडे व बालिका वर्ग में रेस्मी राजवाडे, मीता राजवाडे, जयन्ती राजवाडे, करीना महंत, संजू सिंह, अनिता राजवाडे लंगोरी अंडर-19 सत्तरपाल, तिलक भान, हरिषंकर, जम्प रोप खेल विधा में कमलेष राजवाडे, फुटबॉली अंडर 19 बालक वर्ग में

विरेन्द्र कुमार, सुनील कुमार महंत व बालिका वर्ग में सुस्मिता, पायल गुप्ता, कुडो बलिका वर्ग में मुस्कान राजवाडे, नंद कुमारी, सुस्मिता, कार्फबॉल बालक वर्ग में विजय कुमार, टाकेष कुमार राजवाडे, लाल बहादुर, लंगोरी बालिका वर्ग में रस्मी राजवाडे, संजू सिंह, कुमारी अनिता, करीना महंत ने भाग लिया। शा.उ.मा.वि.कैलाषपुर व्यायाम षिक्षक राजकुमार नायक ने बताया कि सभी चयनित खिलाड़ी गरीब किसान परिवार से है, पहली बार इतनी अधिक संख्या में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेकर राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयनित हुये है। राष्ट्रीय प्रतियोगिता हेतु चयनित खिलाड़ी आगामी तिथि को राज्य का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस अवसर पर विद्यालय के समस्त षिक्षकों ने खिलाडियों की उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुये अग्रिम बधाई दी।

डीपीटी एवं डीपीएमटी में नि:शुल्क प्रशिक्षण हेतु आवेदन आमंत्रित

सिपेट रायपुर एवं कोरबा में संचालित डिप्लोमा डीपीटी एवं डीपीएमटी (डिप्लोमा इन प्लास्टिक टेक्नोलॉजी एवं डिप्लोमा इन प्लास्टिक मोल्ड टेक्नोलॉजी) में डिप्लोमा और पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा पाठयक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2023-24 में प्रवेश लेने के लिए जिले के प्रत्यक्ष खनिज कोयला खदान ग्राम एवं जनपद सूरजपुर, प्रेमनगर, प्रतापपुर, रामानुजनगर, ओड़गी तथा भैयाथान के अन्तर्गत प्रत्यक्ष रूप से प्रभावित ग्राम के छात्र-छात्राओं से पात्रता अनुसार विभिन्न पाठ्यक्रमों हेतु।

संक्षिप्त समाचार

ग्राम मडेली के पावर ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि से लोगों को मिलेगी राहत

गरियाबंद। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत जिला गरियाबंद अंतर्गत 33/11 केव्ही उपकेन्द्र मड़ेली में विद्यमान 3.15 एम.वी.ए पॉवर ट्रॉसफार्मर की क्षमता वृद्धि कर 5.0 एम.वी.ए पॉवर ट्रॉसफार्मर 4 अप्रैल 2023 को स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। जिससे मड़ेली उपकेन्द्र की क्षमता 8.15 एमव्हीए से बढ़कर 10.0 एमव्हीए हो गया है। उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति एवं निरंतर विद्युत सप्लाई प्रदान करने के उद्देश्य पूर्ति हेतु विद्युत कंपनी द्वारा तेजी से कार्य करते हुये विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है।जिला गरियाबंद के मड़ेली उपकेन्द्र अंतर्गत आने वाले ग्रामों के बस्ती एवं पंप फीडर ओवरलोड होने के कारण बार-बार ट्रिपिंग होने से आमजनों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या के निराकरण हेतु मड़ेली उपकेन्द्र के पॉवर ट्रॉसफार्मर की क्षमता वृद्धि से बार-बार ट्रिपिंग की समस्या का समाधान हो पायेगा एवं विद्युत व्यवधान से होने वाली असुविधा से लोगों को राहत मिलेगी। साथ ही सभी प्रकार के विद्युत कनेक्शनधारी उपभोक्ताओं को भी लाभ मिलेगा।अंचल के विद्यमान तथा नये उपभोक्ताओं सभी को वोल्टेज भी सही ढंग से मिल पायेगा एवं बिजली संबंधी शिकायतों में कमी आयेगी। उक्त पॉवर ट्रांसफार्मर की स्थापना से मड़ेली क्षेत्र के 25 ग्राम के लगभग 5000 उपभोक्ता लाभान्वित होंगे।

ग्राम मजरकट्टा के एक झाड़ में चढ़ी पगली, पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से उतारा गया

गरियाबंद। जिला मुख्यालय से दो किलोमीटर दूर ग्राम मजरकट्टा में गुरुवार के सुबह नौ बजे उस दृश्य को देखकर अफरातफरी मच गया जब एक पगली ग्राम के बड़े से निम झाड़ में चढ़ गई और कोलाहल मचाना शुरु कर दी। आपको बता दे कि गुरुवार के सुबह नौ बजे ग्राम मजरकट्टा निवासी मोनू सोनी के घर से लगे एक बड़े से निम के झाड़ में एक पगली चढ़ गई और झाड़ को हिलाते हुए चिल्लाने लगी जिसे ग्रामीणो ने देखा और इसकी जानकारी सिटी कोतवाली पुलिस को दिए ।घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम घटना स्थल पर पहुची और ग्रामीणों की मदद से पेड़ पर चढ़े वही नीचे तालपत्री झाड़ के नीचे फैलाकर पकड़े थे लेकिन पगली झाड़ के ऊपर ही उतारने चढ़े लोगो के साथ मारपीट करने लगी ।करीभी एक घण्टे की मशक्कत के बाद पगली को झाड़ से उतार पाए।

मैनेजर से लाखों रूपए लूटने वाले पांच आरोपी गिरतार

महासमुंद। परफेक्ट हर्बल एण्ड आयल कंपनी के मैनेजर से हुए 10 लाख 80 हजार रुपए के लूट मामले मे पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया है तथा लूट की रकम में से 9 लाख 50 हजार 500 रुपए जब्त किया है। गिरफ्तार आरोपियों मे एक नाबालिग व एक महिला भी शामिल है।

मामले का खुलासा करते हुए पुलिस ने बताया कि लूट के घटना का मास्टर मांइड अजय बांधे एक वर्ष पूर्व इसी फैक्ट्री मे काम करता था, और उसे मालूम था कि फैक्ट्री का मैनेजर पैसे लेकर आता-जाता है। अजय ने अपने तीन दोस्त बलजीत, सलीम व नाबालिग के साथ मिलकर लूट की योजना बनाई थी। योजनानूसार 2 अप्रैल की रात्रि फैक्ट्री के मैनेजर को साराडीह के पास धक्का देकर गिराया और बैग मे रखे 10 लाख 80 हजार रुपए को लेकर तुमाडबरी बांध गए और वहां पैसों का बंटवारा कर बलजीत और सलीम बिलासपुर चल गए, वहां अपनी मौसी नेहा के घर रुककर लूटी गई रकम रखने के लिए दिया। पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि बलजीत व सलीम बिलासपुर में है, जिसके बाद बाद पुलिस बिलासपुर से इन दोनों और नेहा को गिरफ्तार कर लाई। पूछताछ में आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल करते हुए एक नाबालिग व अजय का नाम बताया जिसके बाद पुलिस ने उन्हें भ्झी गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने पांचों से लूट की रकम में 9 लाख 50 हजार 500 रुपए, दो बाइक और पांच मोबाइल जब्त किया है।

पावर ट्रांसफार्मर क्षमता वृद्धि से लोगों को मिलेगी राहत

गरियाबंद। मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत जिला गरियाबंद अंतर्गत 33/11 केव्ही उपकेन्द्र मड़ेली में विद्यमान 3.15 एम.वी.ए पॉवर ट्रॉसफार्मर की क्षमता वृद्धि कर 5.0 एम.वी.ए पॉवर ट्रॉसफार्मर 04 अप्रैल 2023 को स्थापित कर ऊर्जीकृत किया गया है। जिससे मड़ेली उपकेन्द्र की क्षमता 8.15 एमव्हीए से बढ़कर 10.0 एमव्हीए हो गया है। उपभोक्ताओं को गुणवत्तापूर्ण बिजली आपूर्ति एवं निरंतर विद्युत सप्लाई प्रदान करने के उद्देश्य पूर्ति हेतु विद्युत कंपनी द्वारा तेजी से कार्य करते हुये विभिन्न योजनाओं का क्रियान्वयन किया जा रहा है। जिला गरियाबंद के मड़ेली उपकेन्द्र अंतर्गत आने वाले ग्रामों के बस्ती एवं पंप फीडर ओवरलोड होने के कारण बार-बार ट्रिपिंग होने से आमजनों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा था। उक्त समस्या के निराकरण हेतु मड़ेली उपकेन्द्र के पॉवर ट्रॉसफार्मर की क्षमता वृद्धि से बार-बार ट्रिपिंग की समस्या का समाधान हो पायेगा एवं विद्युत व्यवधान से होने वाली असुविधा से लोगों को राहत मिलेगी।

मोहभट्ठा में प्रस्तावित सयंत्र को लेकर आयोजित ग्राम सभा मे सयंत्र नहीं लगने का किया गया प्रस्ताव पारित

सिमगा। ग्राम मोहभट्ठा में लगभग 200 एकड़ में रामा मेटल्स एन्ड एनर्जी नामक सयंत्र प्रस्तावित है जिसके लिए सयंत्र प्रबंधन ग्राम पंचायत से एनओसी की मांग कर रहा है ।जिसे लेकर 6 अप्रैल को ग्राम पंचायत भवन के पास गाँव के सयंत्र नही लगने देने के विषय मे कुछ पंचायत प्रतिनिधि व ग्रामीणों में विरोध दर्ज कराया गया था ।और आज 7 अप्रैल को पंच सरपंच व सैकड़ो ग्रामीणों की मौजूदगी में ग्राम सभा का आयोजन पंचायत भवन के सामने किया गया ।जहां 16 पंचों में 10 पंच व सरपंच ने खुले मच से सयंत्र को एनओसी नही देने की बात कही जबकि उक्त बैठक में 6 पंच अनुपस्थित रहे तथा ग्रामीणों ने भी जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में सर्वसम्मति से यह प्रताव पास किया कि मोहभट्ठा में सयंत्र खोलने के

लिए पंचायत के द्वारा अनापत्ति प्रमाण पत्र न दिया जावे।वही ग्रामीणों ने कलेक्टर के नाम लिखित आवेदन प्रस्तुत कर उक्त सयंत्र को मोहभट्ठा में नही खुलने देने की मांग पर भी राय बनी ।

ग्रामीणों का है कहना*सयंत्र स्थापित होने क्षेत्र में पर्यावरण प्रदूषण बढ़ेगा साथ ही साथ खेती करना मुश्किल हो जायेगा जो हाल सिलतरा और उरला का हुवा है वैसा ही हाल मोहभट्ठा का हो जाएगा जो होने नही देंगे ।सीएम के घोषणा को अनुरूप नही लग सकता सयंत्र* मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के द्वारा दामाखेड़ा के संतसमागम में कबीर धर्म प्रमुख की मांग पर घोषणा की भी की दामाखेड़ा से 10 किलोमीटर के एयर डिस्टेंस में सयंत्र खोलने की अनुमति नही दी जाएगी तो मोहभट्ठा दामाखेड़ा से 10 किलोमीटर के एयर डिस्टेंस के दायरे में आता है इस लिहाज से यहां स्पॉत सयंत्र स्थापित नही होना चाहिए ।

को एनओसी नही दिए जाने पर ह्यस्त्रद्व ने सरपंच सचिव को जारी किया नोटिस*वही दूसरी ओर सिमगा ह्यस्त्रद्व आशीष कर्मा ने सयंत्र को एनओसी नही दिए जाने पर सरपंच व सचिव को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है अब ऐसे के सरपंच व प्रतिनिधियो का कहना है कि जब ग्राम सभा हुवा ही नही और ग्रामीण सयंत्र खोलने के पक्ष में ही नही तो हम कैसे इस सयंत्र को एनओसी दे दे ।

पंचों पर उठे पैसे लेकर हस्ताक्षर करने के सवाल ग्राम सभा मे यह भी सवाल उठा कि 16 पंच में से अधिकतर पंचों ने पैसे लेकर सयंत्र खोलने की अनुमति देने के दस्तावेजों में हस्ताक्षर किया है । जहां ग्राम सभा मे मौजूद 10 पंचों में से 8 पंचों ने पैसे लेने के सवाल पर सचिव व उपसरपंच के कहने पर 75 हजार रुपये लेने की बात पर उक्त दस्तावेजो में हस्ताक्षर करने की बात स्वीकारी ।

गर में धूमधाम से मनाया गया रामभक्त हनुमान जन्मोत्सव

■ बजरंगबली के दर्शन के लिए भक्तों की उमड़ी भीड़

गरियाबंद। चैत्र मास की पूर्णिमा के अवसर पर भगवान श्री राम के अनन्य भक्त हनुमान जी जन्मोत्सव गुरुवार को शहर भर में धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया।भक्तों में संकटमोचन श्री हनुमान के जन्मोत्सव को लेकर उत्साह नजर आ रहा है।शहर के हनुमान मंदिरों में भगवान का दूध,दही, शहद, घी और गंगाजल से विशेष अभिषेक कर श्रंगार किया गया और नई पोशाक धारण करवाई गई।जन्मोत्सव पर हनुमान मंदिरों में श्रद्धालुओं की अपार भीड़ नजर आई और हनुमान जी के जयकारे गूजें। भक्तजनों ने हनुमान जी का दर्शन कर प्रसाद अर्पित कर संकट हरण की कामना की। मंदिरों में पूजा पाठ के बाद श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। हनुमान जन्मोत्सव के अवसर पर शहर के सबसे पुराने हनुमान मंदिर में अखंड रामायण का पाठ के साथ ही हनुमान चालीसा की चौपाइयों से गुंजायमान हुई। ज़िला मुख्यालय सहित आस पास गाँव में गुरुवार को हनुमान जन्मोत्सव धूमधाम से मनाई गई। गौरव पथ मार्ग गांधी मैदान के सम्मुख स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर सहित नगर के विभिन्न हनुमान मंदिर में श्रद्धालुओं ने भक्तिभाव से हनुमान जी की आरती की और फिर प्रसादी का भोग लगाकर भंडारा किया।इस मौके पर शहर के लगभग सभी हनुमान मंदिरों को विशेष आकर्षक रोशनी से सजाया भी गया बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने राम भक्त हनुमान की पूजा अर्चना कर उनसे आशीर्वाद ग्रहण किया सभी हनुमान मंदिरों में हनुमान जी का विशेष शृंगार कर महाआरती की गई। नगर के अनेक हनुमान मंदिरों पर भजन, आरती के कार्यक्रम हुए। हनुमान जन्मोत्सव के मौके पर शहर के हनुमान मंदिरों पर विशेष धार्मिक अनुष्ठानों का भी आयोजन किया गया। दर्शन के लिए लंबी लाइने मंदिरों में देखने को मिलीं।आयोजन समिति से जुड़े बँसत मिश्रा ने बताया कि हनुमान जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गरियाबंद के गौरव पथ मार्ग गांधी मैदान के सम्मुख स्थित दक्षिण मुखी हनुमान मंदिर में संकट मोचन समिति एवं श्रद्धालुओं के द्वारा भव्य कार्यक्रम आयोजित कर हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया।जिसमें हजारों की संख्या में भक्तों ने भगवान का भोग लगाकर एवं प्रसादी ग्रहण कर बजरंगबली का गुणगान किया।कार्यक्रम में इनका रहा योगदान संकट मोचन समिति के अध्यक्ष संजय गुडलवार,उपाध्यक्ष आनंद ठाकुर प्रतीक तिवारी,सचिव बसंत मिश्रा एवं राज डे कोषाध्यक्ष जितेंद्र गुप्ता संरक्षक तेजेश

प्रभु श्रीरामचंद्र जी की रामनवमी शोभायात्रा का आयोजन हुवा

बलौदाबाजार। भाटापारा जिला अध्यक्ष ईश्वर प्रसाद निषाद के नेतृत्व में अपने गृह ग्राम हथबंद में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी प्रभु श्रीरामचंद्र जी की रामनवमी शोभायात्रा का आयोजन रखा गया। जिसमें जिले भर से शिवसैनिको ने भाग लिया।

शोभायात्रा की शुरुआत सिमगा रोड नवा तालाब स्थित शिव मंदिर में पूजा अर्चना कर डीजे, धुमाल व अखाड़ा प्रदर्शन करते प्रभु श्रीरामचंद्र जी सीता, लक्ष्मण, हनुमान जी की झांकी के साथ तिगड्डा चौक होते हुए संगम चौक, शिवनगर उड़ेला, बाजार चौक पहुंचे जहां शिवसेना द्वारा स्थापित त्रिशूल की आरती कर जय भवानी, हर हर महादेव जय श्री राम के नारा लगाते हुए रामभक्तो का काफिला आगे बढ़ा जहां व्यापारी बंधुओं ने जगह जगह पर अभिवादन करते हुए यात्रा में शामिल हुए।

इस धार्मिक आयोजन में सभी वर्ग के लोगों ने भाग लिया तथा शिवसेना परिवार की ओर से रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रम (लोक छत्तीसगढ़) व अखाड़ा प्रदर्शन रखा गया जिसका सभी ने लुत्फउठाया। कार्यक्रम के दौरान हथबंद क्षेत्र में रक्तदान के प्रति उत्कृष्ट कार्य करने वाले नई किरण नई जीवन संस्था के संचालक हेमकुमार गायकवाड़ को सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। वहीं हथबंद में नवपदस्थ थाना प्रभारी जगदेव साहू को कानून व्यवस्था सुचारू रूप से संचालन करने क्षेत्र के लोगों को राहत देने पर सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष ने सभी का आभार व्यक्त करते हुए कार्यक्रम समापन की घोषणा किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरपंच प्रतिनिधि संजु वर्मा, भुतपुर्व सरपंच तिहारुराम कैवर्त्य, मंच संचालन जीत्तु यादव, पंच मुलचंद टंडन, नरेंद्र अनंत,शिवसेना से जिला उपाध्यक्ष गोवर्धन यदु,डुपेश देवांगन, मिडिया प्रभारी व ब्लाक अध्यक्ष शिवा निषाद,

भाटापारा विधानसभा अध्यक्ष सुरज कारिया, उपाध्यक्ष अनिल मसीह, भाटापारा सचिव टीकाराम पाल, सिमगा सचिव रामविलास साहू, सहसचिव राजु मानिकपुरी, उपाध्यक्ष ज्ञानसिंह सागरवंशी, तिल्दा-नेवरा ब्लाक उपाध्यक्ष आयुष मंडावी, हथबंद उपाध्यक्ष ओमप्रकाश ध्रुव, मिडिया प्रभारी व पंच नरेंद्र ध्रुव, गोपी नेताम, साहिल, मैडी, हिरु निषाद, पंचराम निषाद, राजु नेताम, नरेंद्र, केदार, पिंटु , सौरभ , गोपी, सोनु , दिपक सोनी, संतोष ध्रुव, चंदन, महिलाओं समेत भारी संख्या में लोग शामिल थे।

मेधावी विद्यार्थियों को मेडिकल-इंजीनियरिंग की दी जाएगी नि:शुक्ल कोचिंग

गरियाबंद। जिले के प्रतिभावान और इच्छुक छात्र-छात्राओं को निशुल्क मेडिकल और इंजीनियरिंग की कोचिंग दी जाएगी। कलेक्टर श्री प्रभात मलिक ने विद्यार्थियों की कोचिंग व्यवस्था के लिए विशेष पहल की है। बच्चों को जिला प्रशासन द्वारा चयनित उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान द्वारा उच्च गुणवत्ता की कोचिंग दी जाएगी। कोचिंग संस्थान बच्चों को बेहतर तकनीक की मदद से ऑडियो वीडियो तरीके से मेडिकल-इंजीनियरिंग की तैयारी करवाएंगे। साथ में जिले के विषय विशेषज्ञ शिक्षक गण बच्चों के डाउट क्लियर करने में भी मदद करेंगे। कलेक्टर श्री मलिक ने इसके लिए प्रत्येक विकासखंड में दो केंद्रों का चयन करने और प्रत्येक केंद्रों में दो विषय विशेषज्ञों के इंतजाम कर आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं। इस संबंध में कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली। बैठक में एडीएम श्री अविनाश भोई, डीईओ श्री डी.एस. चौहान सहित सभी बीईओ, बीआरसी और प्रिंसिपल शामिल हुए।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री मलिक ने स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्रों के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने विकासखंड वार और स्कूलवार अभी तक बन चुके और बनाने के लिए लंबित जाति प्रमाण पत्र की जानकारी ली। साथ ही छूटे हुए बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य को अप्रैल माह तक पूर्ण करने के निर्देश सभी बीईओ - बीआरसी को दिए। कलेक्टर ने जाति प्रमाण पत्र की अद्यतन स्थिति जानने के लिए स्कूलवार बच्चों का पंजीयन, जारी जाति प्रमाण पत्र, लंबित जाति प्रमाण पत्र की जानकारी ली। साथ ही छूटे हुए बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य को अप्रैल माह तक पूर्ण करने के निर्देश सभी बीईओ - बीआरसी को दिए। कलेक्टर ने जाति प्रमाण पत्र की अद्यतन स्थिति जानने के लिए स्कूलवार बच्चों का पंजीयन, जारी जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य युक्त संयुक्त प्रतिवेदन सभी बीईओ - बीआरसी को भी देने के निर्देश दिए। उन्होंने जानकारी एकत्र कर जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य में प्रगति लगाते हुए तेजी से कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सभी स्कूलों में अधोसंरचना के कार्य और स्कूलों में बैठक व्यवस्था, बिजली, पंखा, लाइट की सुविधा की भी जानकारी ली। साथ ही स्कूलों के फर्श की स्थिति, मरम्मत योग्य कार्य, छत एवं पानी-शौचालय आदि व्यवस्था की भी जानकारी लेकर आवश्यकता अनुसार सभी सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में रिक्त और भरे हुए शिक्षकों के पद की भी जानकारी ली। उन्होंने अतिरिक्त और अतिशेष शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में शिक्षकीय व्यवस्था के अनुरूप शिक्षण कार्य में लगाने के निर्देश दिए।एकलव्य,नवोदय,डीएवी स्कूलों की भी हुई समीक्षा कलेक्टर श्री मलिक ने जिले में संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय,नवोदय और डीएवी स्कूलों की भी समीक्षा की। बैठक में छुरा स्थित एकलव्य विद्यालय में लो वोल्टेज के कारण पानी की समस्या की जानकारी होने पर उन्होंने तत्काल बिजली व्यवस्था दुरुस्त करते हुए पानी सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आवासीय विद्यालय में टेबल, कुर्सी, लाइट आदि की भी जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि पांडुका में खराब सड़क के कारण नवोदय के छात्र छात्राओं को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।कलेक्टर ने इस समस्या को दूर करने सीसी रोड का प्रस्ताव बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसी प्रकार डीएवी देवभोग में बाउंड्रीवाल एवं खेल मैदान की आवश्यकता बताई गई।कलेक्टर ने इस पर भी सुविधा सुनिश्चित करने आवश्यक कार्रवाई

दोना पाल दुकान में घुसकर किया गाली-गलौज,एफआई आर दर्ज

सरायपाली। उड़िया पारा गुरुनानक चौक के समीप स्थित एक दोना पत्तल दुकान में वार्ड नंबर 10 के एक व्यक्ति के द्वारा जबरन घुसकर दुकान खाली करवाने, गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दिए जाने का मामला सामने आया है,जिस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ धारा 452,294,506 के तहत अपराध पंजीबद्ध किया है।

थाना से मिली जानकारी अनुसार आशिक हुसैन ने थाना में रिपोर्ट दर्ज कराया है,कि उड़िया पारा गुरुनानक चौक के पास उनका दोना-पत्तल का दुकान है जहाँ विगत 24 मार्च को रात्रि 8:00 बजे केसरी नंदन सेन उर्फ डब्बू सेन के द्वारा जबरन घुसकर दुकान को खाली करने का धमकी देते हुए अश्लील गाली-गलौज कर जान से मारने की धमकी दिया। दुकान खाली नहीं करने पर झूठे केस में फंसा देने की बात कही,और कहा कि तुम लोग क्या व्यापार करोगे,व्यापार करने नहीं बल्कि कबाड़ बिनने के योग्य होने कि बात कहते हुये सार्वजिक रूप से अपमानित किया।

कलेक्टर मलिक की विशेष पहल, मेधावी विद्यार्थियों को मेडिकल-इंजीनियरिंग की दी जाएगी नि:शुक्ल कोचिंग

गरियाबंद। जिले के प्रतिभावान और इच्छुक छात्र-छात्राओं को निशुल्क मेडिकल और इंजीनियरिंग की कोचिंग दी जाएगी। कलेक्टर प्रभात मलिक ने विद्यार्थियों की कोचिंग व्यवस्था के लिए विशेष पहल की है।बच्चों को जिला प्रशासन द्वारा चयनित उत्कृष्ट कोचिंग संस्थान द्वारा उच्च गुणवत्ता की कोचिंग दी जाएगी। कोचिंग संस्थान बच्चों को बेहतर तकनीक की मदद से ऑडियो वीडियो तरीके से मेडिकल-इंजीनियरिंग की तैयारी करवाएंगे। साथ में जिले के विषय विशेषज्ञ शिक्षक गण बच्चों के डाउट क्लियर करने में भी मदद करेंगे।कलेक्टर श्री मलिक ने इसके लिए प्रत्येक विकासखंड में दो केंद्रों का चयन करने और प्रत्येक केंद्रों में दो विषय विशेषज्ञों के इंतजाम कर आवश्यक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं।इस संबंध में कलेक्टर ने कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक ली।

समीक्षा बैठक में कलेक्टर श्री मलिक ने स्कूली बच्चों के जाति प्रमाण पत्रों के बारे में भी जानकारी ली।उन्होंने विकासखंड वार और स्कूलवार अभी तक बन चुके और बनाने के लिए लंबित जाति प्रमाण पत्र की जानकारी ली। साथ ही छूटे हुए बच्चों के जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य को अप्रैल माह तक पूर्ण करने के निर्देश सभी बीईओ - बीआरसी को दिए। कलेक्टर ने जाति प्रमाण पत्र की अद्यतन स्थिति जानने के लिए स्कूलवार बच्चों का पंजीयन, जारी जाति प्रमाण पत्र,

लंबित आवेदन और पात्र बच्चों की जानकारी युक्त संयुक्त प्रतिवेदन सभी बीईओ,बीआरसी को भी देने के निर्देश दिए।उन्होंने जानकारी एकत्र कर जाति प्रमाण पत्र बनाने के कार्य में प्रगति लगाते हुए तेजी से कार्य को पूर्ण करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने बैठक में जिले के सभी स्कूलों में अधोसंरचना के कार्य और स्कूलों में बैठक व्यवस्था, बिजली, पंखा, लाइट की सुविधा की भी जानकारी ली। साथ ही स्कूलों के फर्श की स्थिति, मरम्मत योग्य कार्य, छत एवं पानी-शौचालय आदि व्यवस्था की भी जानकारी लेकर आवश्यकता अनुसार सभी सुविधा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर ने स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल में रिक्त और भरे हुए शिक्षकों के पद की भी जानकारी ली। उन्होंने अतिरिक्त और अतिशेष शिक्षकों को दूसरे स्कूलों में शिक्षकीय व्यवस्था के अनुरूप शिक्षण कार्य में लगाने के निर्देश दिये।एकलव्य,नवोदय,डीएवी स्कूलों की भी हुई समीक्षा कलेक्टर श्री मलिक ने जिले में संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय,नवोदय और डीएवी स्कूलों की भी समीक्षा की। बैठक में छुरा स्थित एकलव्य विद्यालय में लो वोल्टेज के कारण पानी की समस्या की जानकारी होने पर उन्होंने तत्काल बिजली व्यवस्था दुरुस्त करते हुए पानी सप्लाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने आवासीय विद्यालय में टेबल, कुर्सी, लाइट आदि की भी जानकारी ली। बैठक में बताया गया कि पांडुका में खराब सड़क के कारण नवोदय के छात्र छात्राओं को आने जाने में परेशानी का सामना करना पड़ता है।कलेक्टर ने इस समस्या को दूर करने सीसी रोड का प्रस्ताव बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। इसी प्रकार डीएवी देवभोग में बाउंड्रीवाल एवं खेल मैदान की आवश्यकता बताई गई।कलेक्टर ने इस पर भी सुविधा सुनिश्चित करने आवश्यक कार्रवाई

संपादकीय

अलगाव की आग

पंजाब में अलगाववाद को भड़काने की कोशिश करने वाले अमृतपाल सिंह ने एक बार फिर पुलिस को चुनौती दी है। करीब बारह दिन पहले वह चकमा देकर पुलिस की घेराबंदी से भाग निकला था और अभी तक भेष बदल कर छिपा फिर रहा है। मगर दो दिन पहले उसने एक वीडियो जारी कर जिस तरह अपने ऊपर पुलिस कार्रवाई को पूरे सिख समुदाय पर हमला बताया और बैसाखी पर 'सरबत खालसा' की बैठक बुलाने का आह्वान किया है, उससे जाहिर है कि उसके मंसूबे कमजोर नहीं हुए हैं। उसने वीडियो में कहा भी है कि 'मैं पूरे जोश में हूं, मुझे कोई नुकसान नहीं पहुंचा सकता'। इस वीडियो के आने के बाद पुलिस एक बार फिर सक्रिय हो गई है। कयास लगाए जा रहे हैं कि वह आत्मसमर्पण कर सकता है। मगर उसके वीडियो संदेश से लगता नहीं कि वह आसानी से काबू में आने वाला है। उसने पुलिस कार्रवाई को सिख समुदाय पर हमला बता कर वही खेल खेलने की कोशिश की है, जो भिंडरांवाले ने खेला था। अमृतपाल उसी रणनीति के तहत शुरू से गुरुग्रंथ साहब को आगे करके चलता रहा है। मगर सच्चाई यह है कि उसे कुछ दिग्भ्रमित लोगों का समर्थन तो जरूर मिला, मगर पूरे सिख समुदाय का समर्थन हासिल नहीं हो सका। वह हो भी नहीं सकता, यह बात वह अच्छी तरह जानता है। इसीलिए वह लोगों का भावनात्मक दोहन करने का प्रयास कर रहा है। मगर यह सवाल अभी तक अनुत्तरित है कि अमृतपाल पुलिस घेरे के बीच से भागने में कामयाब कैसे हो गया। फिर वह इतने दिनों तक बचता कैसे फिर रहा है। पुलिस के पास इतने अत्याधुनिक सूचना उपकरण हैं, वह उसकी टोह लेने में कैसे विफल साबित हो रही है। कभी कहीं उसकी तस्वीर देखी जाती है तो कभी दूसरी जगह। पुलिस इस बात से अनजान नहीं मानी जा सकती कि जब तक वह उसकी चंगुल से बाहर रहेगा, उसके उपद्रव मचाने की आशंका भी बनी रहेगी। सवाल यह भी है कि जब अजनाला थाने पर उसने अपने हथियारबंद समर्थकों के साथ हमला कर अपने एक साथी को छुड़ा था, तभी पुलिस ने उसके खिलाफ सख्ती क्यों नहीं बरती। वह कई दिनों तक खुलेआम साक्षात्कार और भड़काऊ बयान देता रहा। देश की सरकार को चुनौती देता रहा। इस ढिलाई की वजह से पंजाब सरकार पर स्वाभाविक ही अंगुलियां उठती रहीं। जब केंद्र के सहयोग से कार्रवाई शुरू भी हुई, तो वह लचर ही साबित हुई। पंजाब सीमावर्ती राज्य है और वहां आतंकी गतिविधियों के पैर पसारने की आशंका सदा बनी रहती है। यह भी बात छिपी नहीं है कि खालिस्तान का झंडा उठाए उपद्रवियों को सीमा पार से समर्थन हासिल है। ऐसे में अमृतपाल जैसे अलगाववादियों के खिलाफ किसी भी तरह की लापरवाही एक तरह से सुरक्षा व्यवस्था पर सवालिया निशान लगाती है। अगर समय रहते अमृतपाल पर शिकंजा कस लिया गया होता या उसे बातचीत के जरिए शांत करने का प्रयास किया गया होता, तो वह आज इस तरह फरारी में भी भड़काऊ वीडियो जारी न करता। पंजाब पहले ही अलगाववाद की आग में झुलस चुका है। हालांकि पंजाब के आम नागरिक कभी नहीं चाहते कि उन्हें अलग किया जाए, मगर कुछ गुमराह लोगों की वजह से उन्हें अशांति झेलनी पड़ती है। एक गणतांत्रिक देश में किसी भी तरह की अलगाववादी गतिविधियों को सिर उठाने की स्थिति नहीं होनी चाहिए। अमृतपाल को पकड़ने में पुलिस की विफलता उसके हौसले बढ़ाने में ही मदद करेगी।

क्योंकि वह मुफ्त का नहीं खाती

(नमिता जोशी)

पति के जन्मदिन पर पत्नी ने घर खर्च के लिए रखे गए पैसों में से पति को एक सुंदर सी शर्ट लाकर गिफ्ट दी। पति ने चुपचाप गिफ्ट ले लिया और साइड में रख दिया। पत्नी ने पूछा, कैसी लगी शर्ट? तो पति ने कहा, ठीक है। पत्नी ने फिर पूछा, इसमें पॉकेट की तरफ जो फूल बने हैं, कितने प्यारे लग रहे हैं, तुम्हें पसंद आई शर्ट? पहन कर दिखाओ ना! पति ने तुनक कर कहा, हां हां ठीक है, मेरे ही खून पसीने की कमाई से ली है। पहन लूंगा किसी दिन।

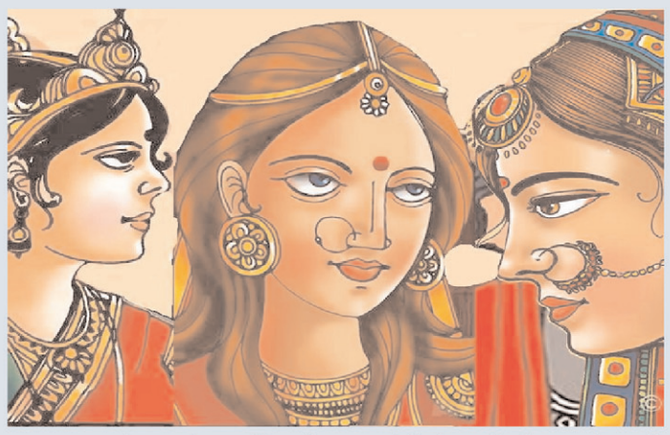

एक दूसरा किस्सा भी सुन लीजिए तो समझ आएगा कि हम किस बारे में बात कर रहे हैं। खाना खाने के बाद पत्नी थोड़ा सुस्ताने की पोज़ में बैठी तो पति उसे देखते ही बोला, तुम्हारा पेट तो अब बिल्कुल मोटे आदमियों जैसा निकल आया है। अब तुम पहलवान दिखती हो। पत्नी ने कहा कि आजकल मुझे कुछ पीरियड्स से जुड़ी प्रॉब्लम चल रही है, तुम्हें पता तो है, फिर ऐसी बात क्यों कर रहो हो? पति बोला, कोई हेल्थ प्रॉब्लम नहीं हैं, मुफ्त का खाना खाती हो जो पेलकर, उसी का नतीजा है।

मामला कुछ नया नहीं है, जिसे हम यहां डिस्कस करने वाले हैं। हाउसवाइफ को गुलाम समझने की मानसिकता पर बात करनी है। इस विषय पर हम और आप इतनी बार इतने तरीकों से बात कर चुके हैं कि लगता था कि शायद सोसाइटी में कुछ तो बदलाव आ रहा होगा। लेकिन ऐसा है नहीं। ये दोनों उदाहरण दो ऐसे घरों से हैं जिनकी उम्र 35 से 45 के बीच है। अधिक उम्र के पुरानी पैट्रिआर्कल सोच वाले लोगों को समझना या समझाना मुश्किल होगा ये सोचकर हम चुप हो जाते हैं लेकिन इस उम्र वाली जेनरेशन का क्या? हाउसवाइफ जो घर का काम करती है, उसको अलग अलग करके पैसों से उसकी कीमत तोली जाए तो एक हाउसवाइफ की सैलरी लाखों में बनती है। इस तरह के न जाने कितने सर्वे दुनिया के तमाम देशों ने करवाए हैं और हम कई सालों से उन्हें अखबारों में छाप रहे हैं और आप लोग पढ़ रहे हैं। मगर हम पर खास असर पड़ा नहीं है।

हममें से अधिकतर लोग आज भी बीवी को बराबर का भागीदार नहीं समझते। पत्नी अगर किसी बात पर अपसेट है और पति से शेयर करना चाहती है तो कई पुरुषों को कहते सुना है, तुम्हें इस घर में क्या तकलीफ है? किचन के डिब्बों में राशन भरा हुआ है। जेब में पैसे हैं, जहां मर्जी चाहे घूम आओ, जो मर्जी खरीदो लेकिन नहीं, तुम तो फालतू की बातों में परेशान होकर बैठी रहती हो और मेरा भी दिमाग खराब करती हो।

बीवी को बातचीत में या घर के जरूरी मुद्दों में शामिल न करना, उसे बोलते हुए बीच में टोक देना, घर में किए गए उन सभी कामों को नजरअंदाज करना जिन्हें अगर बीवी एक दिन करना बंद कर दे तो घर का काम पूरी तरह से ठप पड़ जाए, उस पर शक करना, ये कुछ ऐसे तरीके हैं, जिन्हें जाने अनजाने हर पुरुष अपने घर में लागू करता है। पतियों को समझने की जरूरत है कि अगर आप घरवालों के लिए पैसा कमा कर ला रहे हैं, तो वह उन पैसों से आपके घर को रहने लायक बना रही है। तो फिर उसे अपना पार्टनर या बराबर का भागीदार समझने में हम क्यों चूक जाते हैं? माना कि आपकी सैलरी से ही पैसे बचाकर वह आपके लिए शर्ट लाई, लेकिन आप ऑफिस में ठीक से काम कर सको, इस लायक तो वही बनाती है आपको। उस दौरान आपका घर परिवार, बच्चे संभालने का काम कौन करता है? बिन सैलरी बिन छुट्टी की नौकरी करने वाली उस महिला का इतना हक तो बनता है कि अगर वो आपको गिफ्ट दे तो आप उस पर खुश हों। अगर वह अपने दिल की बात शेयर करने आए तो उसे हड़का कर भगाने के बजाय उसकी इज्जत और प्यार देकर बेहतर कम्युनिकेशन किया जाए। आपके सामने जैसा बर्ताव कोई अनजान आदमी आपकी मां या बहन से नहीं कर सकता, वैसा बर्ताव आप अपनी बीवी से कैसे कर लेते हैं?ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

जलवायु परिवर्तन से प्रभावित पशु, पर्वतीय क्षेत्रों में बढ़ रही गर्मी, फसल चक्र में हो रहा बदलाव

(अभिषेक दीक्षित)

जलवायु परिवर्तन वैश्विक समाज के समक्ष मौजूद सबसे बड़ी चुनौती है। साथ ही इससे निपटना इस समय सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है। सामान्यतः जलवायु से आशय किसी क्षेत्र में लंबे समय तक औसत मौसम से होता है। यदि औसत मौसम में परिवर्तन आ जाता है, तो उसे जलवायु परिवर्तन कहा जाता है। पृथ्वी का तापमान पिछले 100 वर्ष में एक डिग्री फॉरेनहाइट तक बढ़ गया है। पृथ्वी के तापमान में यह परिवर्तन संख्या की दृष्टि से कम हो सकता है, पर इसका सबसे अधिक प्रभाव मानव से लेकर जीव-जंतु और वनस्पति तक में देखने को मिलता है।

पर्वतीय क्षेत्रों में जलवायु परिवर्तन का असर बढ़ रही गर्मी, फसल चक्र में हो रहे परिवर्तन, उत्पादन के समय में परिवर्तन, साथ ही जंगलों में लगने वाली आग के रूप में महसूस किया जा सकता है। शहरीकरण और औद्योगिकीकरण के कारण लोगों के जीवन जीने के तौर-तरीकों में काफी परिवर्तन आया है। सड़कों पर वाहनों की संख्या काफी अधिक हो गई है। जीवन शैली में परिवर्तन ने खतरनाक गैसों के उत्सर्जन में काफी अधिक योगदान दिया है। इस संबंध में अल्मोड़ा के युवा हरीश सिंह बहुगुणा बताते हैं कि पर्वतीय क्षेत्रों में पेड़ों की कटाई चोरी-चुपके होती रहती है। वहीं बांज के पेड़, जो पर्वतीय परिवेश के लिए अत्यंत ही आवश्यक है, विलुप्ति की ओर अग्रसर हैं, जिसका एक प्रमुख कारण है पहाड़ों में चीड़ का विस्तार। चीड़ तापमान वृद्धि के साथ पहाड़ी क्षेत्रों में आग लगने का सबसे बड़ा कारण भी है।

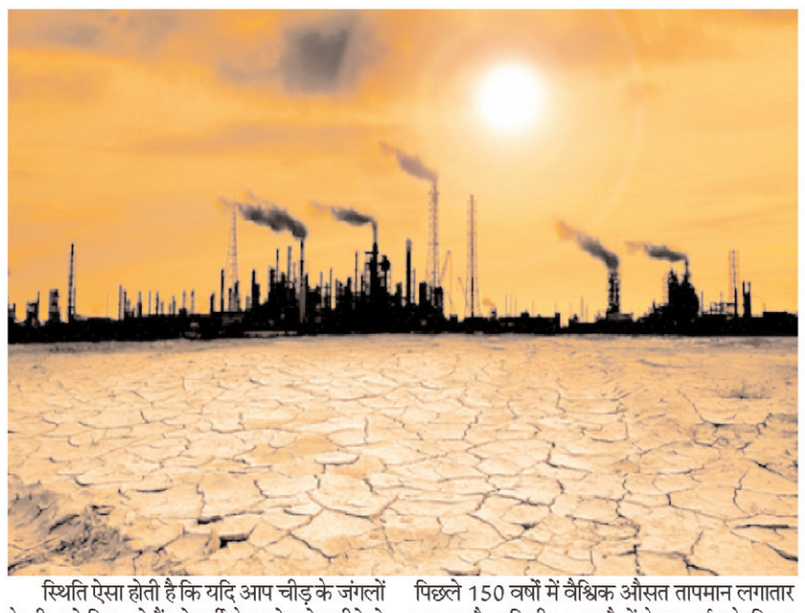

स्थिति ऐसा होती है कि यदि आप चीड़ के जंगलों के बीच से निकलते हैं, तो गर्मी के प्रकोप से पसीने से नहा जाते हैं। वहीं हर वर्ष चीड़ के जंगलों में भीषण आग लगती है, जिससे जीव-जंतु के नुकसान के साथ फसल व अन्य वनस्पति का नुकसान देखने को मिलता है। पावर प्लांट, ऑटोमोबाइल, वनों की कटाई व अन्य स्रोतों से होने वाले ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन पृथ्वी को अपेक्षाकृत काफी तेजी से गर्म कर रहा है। पिछले 150 वर्षों में वैश्विक औसत तापमान लगातार बढ़ रहा है। यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन के विषय को गंभीरता से नहीं लिया गया और इसे कम करने के प्रयास नहीं किए गए, तो पृथ्वी की सतह का औसत तापमान तीन से 10 डिग्री फॉरेनहाइट तक बढ़ जाएगा। पिछले कुछ दशकों में बाढ़, सूखा व बारिश आदि की अनियमितता काफी अधिक बढ़ गई है। कहीं बहुत अधिक वर्षा हो रही है, तो कहीं सूखे की आशंका बन गई है।

जलवायु परिवर्तन का प्रभाव मनुष्यों के साथ पशुओं पर भी देखने को मिल रहा है। अधिक गर्मी के चलते अक्सर जानवरों को हांफते व उनके मुंह से लार गिरते देखा जाता है, पर इसके साथ पशुओं की कार्य क्षमता में गिरावट आने के साथ उन पर कई बीमारियों का हमला भी हो रहा है। मौसम परिवर्तन का असर जानवरों के स्वास्थ्य, शारीरिक वृद्धि और उनकी उत्पादकता पर अधिक पड़ रहा है। मौसम में होने वाले तनावों से उनकी प्रजनन क्षमता कम हो रही है, गर्भधारण दर में काफी कमी आ रही है, साथ ही, जानवरों में थनैला रोग, गर्भाशय में सूजन व अन्य बीमारियों के जोखिम में वृद्धि हो रही है। अत्यधिक गर्मी जानवरों में जो तनाव बनाती है, उसे उष्मीय तनाव कहा जाता है, जिसमें जानवरों के शरीर में बाइकार्बोनेट तथा लौह तत्व की कमी से रक्त की पीएच कम हो जाती है। इस तनाव में जानवरों के शरीर का तापमान 102 से 103 डिग्री फॉरेनहाइट तक बढ़ जाता है, जिससे दुग्ध उत्पादन, दूध, वसा और प्रजनन क्षमता के साथ प्रतिरक्षा प्रणाली में कमी हो जाती है।

जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्य योजना का शुभारंभ वर्ष 2008 में किया गया था, जिसका उद्देश्य जनता के प्रतिनिधियों, सरकार की विभिन्न एजेंसियों, वैज्ञानिकों, उद्योग और समुदायों को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरे और उससे मुकाबला करने के उपायों के बारे में जागरूक करना है। हम सचेत होंगे, तो परिवर्तन की रफ्तार घटेगी, क्योंकि इसकी रफ्तार बढ़ाने के जिम्मेदार हम स्वयं हैं।

देश भर की नदियों को शुद्ध करने की कोशिश...

विनोद के. शाह

देश की अड़तीस नदियां सर्वाधिक प्रदूषित मानी गई हैं। उनके पानी में प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक है। बेतवा नदी भी उनमें शामिल है। भोपाल के नजदीक रायसेन जिले के छोटे से गांव झिरी की विंध्य पहाड़ियों से निकली बेतवा अपने उद्गम स्थल से चंद किलोमीटर की दूरी पर ही गंदे नाले में तब्दील हो जाती है। नदियां जीवनदायिनी हैं। मगर अत्यधिक बारिश के बाद भी शीत ऋतु के दौरान ही नदियों का सूख जाना भविष्य में नदियों के समाप्त हो जाने का पूर्व संकेत है। नदियों के किनारे भले धार्मिक स्मारक खड़े हैं, जनता जल का आचमन भी करती है, मगर समाज और सरकार ने नदियों को गंदगी समेटने, रेत खनन और कृषि सिंचाई जल स्रोत से अधिक की मान्यता नहीं दी है।

संयुक्त राष्ट्र की ताजा रिपोर्ट बताती है कि विश्व की छब्बीस फीसद आबादी तक सुरक्षित पेयजल की पहुंच नहीं है। पूरे विश्व के सामने जलवायु परिवर्तन से पर्यावरण को बचाना और मानवाधिकार के रूप में आबादी को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना एक बड़ी चुनौती है। इस रिपोर्ट पर भारत को गंभीर चिंतन-मनन करने की जरूरत है। देश में जल स्रोतों की हो रही कमी और घटते भूजल स्तर को देखते हुए नदियों को जोड़ने की परिकल्पना की गई है। मगर इसमें पर्यावरण को भारी नुकसान और पेयजल का सुरक्षित न रह पाना, परियोजना के औचित्य पर सवालिया निशान लगाता है। नदियों को आपस में जोड़ने की लगभग तीस योजनाओं पर काम चल रहा है। इनमें बेतवा-केन जोड़ परियोजना महत्त्वपूर्ण। जून 2021 में इसकी आधारशिला रखी गई। मगर दो साल बाद पर्यावरणविदों की निरंतर चेतावनियों के बाद मध्यप्रदेश सरकार खुद संशय में है कि यह परियोजना वास्तविकता में परिवर्तित हो भी पाएगी या मिथक ही साबित होगी। मध्यप्रदेश से निकल कर उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में यमुना में मिलने वाली बेतवा और केन नदी को जोड़ कर दोनों राज्यों की बारह लाख हेक्टेयर कृषि भूमि को सिंचित करने के साथ बुंदेलखंड को पानीदार बनाने की बात कही गई है। इसका अधिकतम खर्च केंद्र सरकार को उठाना है, इसलिए राज्यों ने इसके अच्छे और बुरे प्रभावों पर बहुत अधिक अध्ययन भी नहीं किया है। देश की अड़तीस नदियां सर्वाधिक प्रदूषित मानी गई हैं। उनके पानी में प्रदूषण का स्तर बहुत अधिक है। बेतवा नदी भी उनमें शामिल है। भोपाल के नजदीक रायसेन जिले के छोटे से गांव झिरी की विंध्य पहाड़ियों से निकली बेतवा अपने उद्गम स्थल से चंद किलोमीटर की दूरी पर ही गंदे नाले में तब्दील हो जाती है। नदी के उद्गम के पास स्थापित मंडीद्वीप औद्योगिक परिसर से इतना अधिक रासायनिक कचरा बेतवा में डाला जा रहा है कि अपने पहले ही पड़ाव, विदिशा, पर यह नदी एक गंदे नाले में बदल जाती है।

विदिशा नगरपालिका छह अलग-अलग नालों के जरिए बगैर शोधन किए गंदगी इसमें मिलाती है, जिससे नदी में घुलनशील कार्बन डाइआक्साइड की मात्रा अपने खतरनाक स्तर को पार कर चुकी है। उद्गम से कुछ ही किमी की दूरी पर बेतवा जल का पीएच मान 6.5 के तय मानक से बहुत अधिक, 9.03 हो चुका है। नदी में मिलने वाला चोरघाट नाला, जो विदिशा सहित राजधानी भोपाल का निस्तार लेकर आता है, नदी से बेरोक-टोक मिलता है। कारखानों के खतरनाक रसायनों और त्योहारों के दौरान मूर्ति विर्सजन से नदी में जलचरों का जीवन ही समाप्त हो चुका है। नदी के प्रवाह क्षेत्र में प्रत्येक दस-बीस किमी की दूरी पर निस्तार की गंदगी को समेटती यह नदी आगे बढ़ती, जहरीली बनती जाती है। पारीछा ताप बिजलीघर की चपेट में आकर इस नदी में मशीनों का ग्रीस, तेल और राख मिल कर पानी को इतना जहरीला बना देते हैं कि नदी किनारे के गांवों के पशुपालक नदी के पानी को जानवरों के पीने लायक भी नहीं मानते हैं। नदी के अस्तित्व के संकट को विदिशा के पास हलाली नदी का बांध अपने पानी से नदी की टूटती सांसों को समय-समय पर जीवनदान देता रहता है।

इस जहरीले नदी जल को केन-बेतबा जोड़ परियोजना के माध्यम से केंद्र सरकार सूखे से बेहाल बुंदेलखंड की प्यास बुझाने की उम्मीद जगा रही है। सन 2005 में केन-बेतवा नदी जोड़ परियोजना की राज्य शासन द्वारा प्रेषित डीपीआर रिपोर्ट में बेतवा नदी के उद्गम के पास मकौडिया गांव में नदी पर बांध निर्माण द्वारा बेतवा में जल के प्रवाह को निरंतर रखने की योजना सम्मिलित थी। इस बांध के माध्यम से विदिशा और रायसेन जिलों के एक सौ चालीस गांवों में पेयजल के साथ बासठ हजार दो सौ तीस हेक्टेयर भूमि भी सिंचित करने का प्रस्ताव था। मगर मध्यप्रदेश सरकार ने डूब क्षेत्र अधिक बता कर मकौडिया बांध निर्माण को योजना से अलग कर दिया है। इस संशोधन के बाद योजना में पेयजल की शुद्धता पर प्रश्नचिह्न लग गया है। नदी के अंतिम सिरे पर हमीरपुर तक अवैध रेत खनन, नदी किनारों के जंगल को काट कर भूमि पर अतिक्रमण, कंक्रीट के अवैध जंगलों का बेहताशा निर्माण, नदी के बचे अस्तित्व को नष्ट करने की पटकथा लिख चुका है।

प्रौद्योगिकी - कैसे बने निर्यात आधारित व्यवस्था, नवाचार के साथ डिजिटल कौशल की दरकार

यह कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक आर्थिक संकट और वैश्विक निर्यात चुनौतियों के बीच भी भारत से निर्यात बढ़ रहे हैं। यदि हम उत्पाद निर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें, तो पाते हैं कि प्रमुख रूप से अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, बांग्लादेश व नीदरलैंड को बड़े पैमाने पर निर्यात किए गए हैं। निर्यात उत्पादों के मद्देनजर पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है। साथ ही उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामान का भी निर्यात किया जा रहा है।

(जयंतीलाल भंडारी)

हाल ही में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने 'रायसीना डायलॉग 2023' सम्मेलन में कहा कि भारत ने वित्त वर्ष 2020-21 में वस्तु एवं सेवा निर्यात क्षेत्र में 676 अरब डॉलर मूल्य का रिकॉर्ड निर्यात किया है। वित्त वर्ष 2022-23 में भारत से निर्यात 750 अरब डॉलर मूल्य की ऊंचाई पर पहुंचने की उम्मीद है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्ष 2030 तक भारत का निर्यात 2,000 अरब डॉलर यानी दो लाख करोड़ डॉलर के पार तक पहुंच सकता है।

यह कोई छोटी बात नहीं है कि वैश्विक आर्थिक संकट और वैश्विक निर्यात चुनौतियों के बीच भी भारत से निर्यात बढ़ रहे हैं। यदि हम उत्पाद निर्यात के नए आंकड़ों का विश्लेषण करें, तो पाते हैं कि प्रमुख रूप से अमेरिका, संयुक्त अरब अमीरात, चीन, बांग्लादेश व नीदरलैंड को बड़े पैमाने पर निर्यात किए गए हैं। निर्यात उत्पादों के मद्देनजर पेट्रोलियम उत्पादों, इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद, इंजीनियरिंग उत्पाद, चमड़ा, कॉफी, प्लास्टिक, रेडीमेड परिधान, मांस एवं दुग्ध उत्पाद, समुद्री उत्पाद और तंबाकू की निर्यात वृद्धि में अहम भूमिका रही है। साथ ही उच्च इंजीनियरिंग निर्यातों, परिधान और वस्त्र निर्यात आदि से संकेत मिलते हैं कि यह धारणा धीरे-धीरे बदल रही है कि भारत प्राथमिक जिंसों का ही बड़ा निर्यातक है। अब भारत द्वारा अधिक से अधिक मूल्यवर्धित और उच्च गुणवत्ता वाले सामान का भी निर्यात किया जा रहा है।

यह भी महत्वपूर्ण है कि भारत विश्व पटल पर कृषि निर्यात के नए उभरते हुए देश के रूप में उपस्थिति दर्ज करते हुए मानवता के आधार पर दुनिया के जरूरतमंद देशों के लिए खाद्यान्न की आपूर्ति भी सुनिश्चित कर रहा है। भारत से खाद्य पदार्थों-अनाज, गैर-बासमती चावल, गेहूं, बाजरा, मक्का और अन्य मोटे अनाज के अलावा फलों एवं सब्जियों के निर्यात में भारी वृद्धि देखी गई है। खास बात यह है कि कोविड-19 के कारण भारत के सेवा निर्यात में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि पिछले वर्ष 2022 में देश से निर्यात बढ़ाने में भारत द्वारा संयुक्त अरब अमीरात और ऑस्ट्रेलिया के साथ किए गए मुक्त व्यापार समझौतों (एफटीए) की भी प्रभावी भूमिका रही है।

यह भी भारत की बढ़ती हुई वैश्विक निर्यात साख की सफलता है कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने जुलाई, 2022 में डॉलर पर निर्भरता कम करने और निर्यात बढ़ाने के लिए विदेशी व्यापार का लेन-देन रुपये में करने का प्रस्ताव किया था। 15 मार्च तक रूस, मॉरिशस व श्रीलंका के द्वारा भारतीय रुपये में विदेशी व्यापार शुरू करने के बाद अब तक 18 देशों के बैंकों ने रुपये में व्यापार करने के लिए विशेष वोस्ट्रो खाते खोले हैं। दुनिया के 35 से अधिक देशों ने रुपये में व्यापार करने में रुचि दिखाई है। इससे भारत को निर्यात के मोर्चे पर बड़ा लाभ मिलेगा।

अब देश को निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बनाने के लिए हमें कई बातों पर ध्यान देने की जरूरत है। इनमें यूरोपीय संघ, ब्रिटेन, कनाडा, खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के छह देशों, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका और इस्त्राइल के साथ एफटीए के लिए वार्ताएं शामिल हैं। रिजर्व बैंक ने डिजिटल रुपये की जो प्रायोगिक शुरुआत की है, उसे विस्तार देने की जरूरत है। निर्यात बढ़ाने के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान में मैन्यूफैक्चरिंग के तहत चिन्हित 24 सेक्टर को प्राथमिकता के साथ तेजी से आगे बढ़ाए जाने की जरूरत है।

देश से निर्यात बढ़ाने के लिए अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण की रफ्तार तेज करने, शोध व नवाचार तथा श्रमशक्ति को नई डिजिटल कौशल से सुसज्जित करने की राह पर तेजी से आगे बढ़ना होगा। ऐसे विभिन्न रणनीतिक प्रयासों से ही भारत निर्यात आधारित अर्थव्यवस्था बन सकता है और 2030 तक वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात के लिए निर्धारित किए गए 2,000 अरब डॉलर का महत्वाकांक्षी लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

प्रियंका चोपड़ा

अब जॉन सीना संग करेंगी एक्शन

भले ही कुछ समय से बॉलीवुड इंडस्ट्री से गायब हैं, लेकिन एक्ट्रेस हॉलीवुड सिनेमा में अपने टैलेंट का परचम लहराती बखूबी नजर आ रही हैं। देसी गर्ल को जल्द ही रूसो ब्रदर्स की वेब सीरीज सिटाडेल में देखा जाना है, जिसका एक्ट्रेस भारत में भी धुआंदार प्रमोशन कर रही हैं। वहीं, अब पीसी के फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी सामने आई है। प्रियंका ने डब्लूडब्लूई चैंपियन जॉन सीना के साथ बड़ा प्रोजेक्ट साइन कर लिया है।

प्रियंका चोपड़ा ने अपने नए प्रोजेक्ट का एलान करने के लिए सोशल मीडिया पोस्ट का सहारा लिया है। एक्ट्रेस एक आर्टिकल की तस्वीर साझा कर बताती नजर आई हैं कि वह अब जॉन सीना और इद्रिस एल्बा संग काम करने जा रही हैं। यह प्रोजेक्ट एक फिल्म है, जिसका नाम हेड्स ऑफ स्टेट है। रिपोर्ट की मानें तो यह हॉलीवुड मूवी इसी साल के मई महीने में फ्लोर पर आएगी। एक्ट्रेस का यह पोस्ट देख उनके फैंस फूले नहीं समा रहे हैं। साथ ही डीवा को दिल खोलकर बधाइयां भी दे रहे हैं।

प्रियंका के एलान से फैंस गदगद

प्रियंका चोपड़ा ने आर्टिकल के स्क्रीनशॉट को साझा करते हुए कैप्शन में लिखा है, अगले पर। साथ ही पीसी ने जॉन सीना और इद्रिस एल्बा को टैग करते हुए लेट्स गो लिखा है। एक्ट्रेस की इस अनाउंसमेंट से फैंस कितने खुश हैं इस बात का अंदाजा पोस्ट पर आ रहे लाइक्स से लगाया जा सकता है। प्रियंका के पोस्ट को चंद घंटों के अंदर लाखों लाइक्स मिल चुके हैं, साथ ही यह आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है।

बता दें कि प्रियंका चोपड़ा फिलहाल अपनी अपकमिंग वेब सीरीज सिटाडेल के प्रमोशन में व्यस्त हैं। एक्ट्रेस इसके लिए भारत आई हैं, साथ ही जी-जान लगाकर इवेंट में इसको शानदार तरीके से प्रमोट करती नजर आ रही हैं। रुसो ब्रदर्स की सीरीज सिटाडेल के प्रीमियर में प्रियंका के साथ उनके को-स्टार रिचर्ड मैडेन भी पहुंचे थे। बता दें कि अमेजन स्टूडियो की यह सीरीज झूठ, धोखेबाजी, रोमांच और रहस्य के साथ एक लव स्टोरी है। इसकी स्ट्रीमिंग 28 अप्रैल, 2023 से होगी।

प्रभास करने आ रहे डबल धमाल

प्रभास ने अपनी अपकमिंग फिल्म को लेकर नई अपडेट दी है, जिसे सुनते ही आप भी खुश हो जाएंगे। कुछ समय पहले ही सुपरस्टार प्रभास की फिल्म आदिपुरुष की रिलीज डेट सामने आई थी। जिसकी रिलीज का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। और अब एक और बड़ी खुशखबरी प्रभास के फैंस के लिए सामने आई है। जी हां, अभिनेता प्रभास की फिल्म सालार की रिलीज डेट का ऐलान कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर सालार नाम के ऑफिशियल ट्विटर अकाउंट ने अपने अकाउंट से यह वीडियो शेयर किया गया है, जिसमें प्रभास इंटेंस लुक में नजर आ रहे हैं। इसके साथ ही फिल्म की रिलीज डेट की जानकारी दी गई। बताया गया कि प्रभास की फिल्म सालार 28 सितंबर, 2023 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।

वीडियो को पोस्ट करते हुए कैप्शन में लिखा है, सबसे ज्यादा वायलेंट शख्स जल्द ही 28 सितंबर, 2023 को आपके होश उड़ाने के लिए पूरे पैकेज के साथ आ रहा है। फिल्म की रिलीज डेट सामने आते ही प्रभास के फैंस के बीच खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। फिल्म में लीड रोल प्रभास निभा रहे हैं और उनके अपोजिट श्रुति हासन नजर आएंगी। बता दें कि कुछ दिन पहले ही एक्टर प्रभास के फैंस को एक खुशखबरी मिली थी की प्रशांत नील के साथ प्रभास की अपकमिंग फिल्म सालार के ओवरसीज राइट्स सबसे ज्यादा कीमत में बिके हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार पता चला था की फिल्म सलार के राइट्स को करोड़ों में बेचा गए है, जो कि ऑस्कर अवॉर्ड विनिंग फिल्म RRR के बराबर है। सुपरस्टार प्रभास के साथ फिल्म में श्रुति हासन भी प्रमुख भूमिका में हैं। फिल्म होम्बले फिल्म्स के बैनर तले निर्माण विजय किरागंदूर कर रहे हैं। इसका फिल्म का पोस्टर पिछले साल रिलीज किया जा चुका है। जानकारी के लिए बता दें, कुछ दिनों पहले प्रभास की फिल्म आदिपुरुष की रिलीज डेट का ऐलान किया गया है। ये मूवी 16 जून, 2023 को 3डी फॉर्मेट में सिनेमाघरों में दस्तक देगी। आदिपुरुष में प्रभास भगवान राम के रोल में नजर आएंगे। सैफ अली खान रावण के किरदार में दिखेंगे। वहीं, सनी सिंह ने लक्ष्मण तो कृति सैनन ने सीता का रोल प्ले किया है। इस फिल्म के डायरेक्टर ओम राउत हैं, जो अजय देवगन की सुपरहिट तान्हाजी- द अनसंग वॉरियर का निर्देशन कर चुके हैं।

10 अप्रैल को होगी परिणीति और राघव चड्ढा की सगाई?

अफवाह प्रेमी और राजनेता राघव चड्ढा के बारे में पूछे जाने पर परिणीति चोपड़ा के शर्मा ने वाले वीडियो उनके रिश्ते के बारे में बहुत कुछ कह सकते हैं। खबर है कि दोनों जल्द ही शादी करने वाले हैं! चर्चा यह भी है कि परिणीति और राघव की सगाई 10 अप्रैल को होगी! सार्वजनिक रूप से एक साथ देखे जाने के बाद राघव और परिणीति के रिलेशनशिप की अफवाहें उड़ीं। वे 22 मार्च को डिनर डेट पर निकले और अगले दिन लंच डेट के लिए फिर मिले। हालांकि दोनों ने इस बारे में चुप्पी साध रखी है, लेकिन विभिन्न मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि परिणीति और राघव जल्द ही अपना रोका करेंगे। राघव और परिणीति दोनों ने अपने रिश्ते की स्थिति के बारे में चुप्पी साध रखी है, इस तथ्य को छोड़कर कि दोनों ने लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स में एक साथ अध्ययन किया है और उनके कई सामान्य मित्र हैं एंटरटेनमेंट बीट को कवर करने वाले पपराज़ी इनपुट्स के अनुसार, परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा 10 अप्रैल को दिल्ली में एक सगाई समारोह के साथ अपने रिश्ते को आधिकारिक बनाएंगे। इस बीच, अभिनेत्री को मुंबई हवाई अड्डे पर एक लाल स्वेटर, काली जेगिंग और काले रंग की जेगिंग में देखा गया था। घुटनों तक पहने जाने वाले जूते। जब पापियों ने उनसे पूछा कि क्या वह अपने विवाह समारोहों के लिए जा रही हैं, तो परिणीति ने जवाब दिया, लंदन जा राही हूं। बोर्डिंग पास दिखाउ? पपराज़ी से बात करने पर वह भी शरमा गई। परिणीति चोपड़ा को 22 मार्च को आप नेता राघव चड्ढा के साथ स्पॉट किया गया था। दोनों मुंबई के एक पॉश रेस्टोरेंट में अलग-अलग पहुंचे। दोनों सफेद रंग में जुड़ गए और परिणीति ने इसे चेकर्ड पैंट के साथ जोड़ा, राघव ने बेज लिनन पैंट का विकल्प चुना। उन्होंने पैप्स के लिए पोज भी दिए। वह सब कुछ नहीं हैं। लंच डेट के बाद बाहर जाते समय दोनों को एक बार फिर साथ देखा गया। दोनों भी एक ही गाड़ी से निकल गए। एक साथ उनकी उपस्थिति ने अफवाहें उड़ाईं कि दोनों डेटिंग कर रहे हैं। राघव चड्ढा सबसे कम उम्र के सांसद हैं। दूसरी ओर, परिणीति चोपड़ा संदीप और पिंकी फरार और हाल ही में रिलीज़ हुई उंचई जैसी फिल्मों में अपने अभिनय से अपनी बहुमुखी प्रतिभा साबित कर रही हैं। परिणीति के पहले डायरेक्टर मनीष शर्मा को डेट करने की खबरें आ रही थीं। उन्हें अलग हुए अभी करीब एक साल ही हुआ है। अब देखना यह है कि परिणीति और राघव के बीच ये मुलाकात महज एक सामान्य तारीख थी।

प्रियंका के बाद विवेक ने बताया बॉलीवुड का सच

प्रियंका चोपड़ा ने हाल ही में इंडस्ट्री में हो रही गंदी राजनीति और अपने बॉलीवुड छोड़ने की वजह का खुलासा करते हुए कहा था कि उन्हें एक कोने में धकेला जा रहा था। इसके बाद से इंडस्ट्री में मची सनसनी के बीच कई सेलेब्स ने अपना दर्द बयां किया। वहीं, अब विवेक ओबेरॉय भी प्रियंका के समर्थन में आए और उन्होंने अपने दर्द भी साझा किया। विवेक ने इंडस्ट्री के काले चिट्ठे खोलते हुए अपने बुरे दौर के बारे में बात की। वहीं, उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत की मौत पर भी प्रतिक्रिया दी। बिना नाम लिए विवेक ने सलमान खान के खिलाफ इशारा किया है। विवेक के साथ बॉलीवुड में राजनीति तब शुरू हुई, जब उन्होंने साल 2003 में सलमान खान के खिलाफ प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और कहा था कि सलमान ने उन्हें धमकी दी थी, क्योंकि वह कथित तौर पर ऐश्वर्या राय को डेट कर रहे थे, जो इससे पहले सलमान के साथ रिलेशन में थीं। अब अपने बुरे दौर को याद करते हुए विवेक ने हाल ही में दिए इंटरव्यू में कहा कि मुझे खुशी है कि मैं इससे बाहर आया। मैं एक तरह से अग्नि परीक्षा के माध्यम से इन सब चीजों से ऊपर आया और बच गया, लेकिन हर कोई इतना भाग्यशाली नहीं होता है।

विवेक ने प्रियंका के बयानों का समर्थन करते हुए कहा कि आखिरकार मैं बहुत सी चीजों से गुजरा, जो जरूरी नहीं थी। बहुत सारी लॉबी, बहुत सारी दमदार कहानियां, प्रियंका भी इसी तरफ इशारा कर रही हैं। दुर्भाग्य से यह हमारी इंडस्ट्री की पहचान रहा है। यह हमारी इंडस्ट्री के डार्क साइड में से एक रहा है और मैं इससे गुजरा हूं। मुझे पता है यह निराशाजनक है। यह किसी को भी बहुत थका हुआ और हारा हुआ महसूस कराता है। प्रियंका ने अपने लिए नई जगह खोजी। यह बहुत प्रेरणादायक है। वह बाहर गई और कुछ अलग किया। एक तरह से वह गंदी पॉलिटिक्स से वह बाहर निकलीं। व्यक्तिगत और पेशेवर रूप से उनके लिए कुछ मैजिकल हुआ।

विवेक ने खुलासा किया कि साल 2007 में हिट फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला में अवॉर्ड विनिंग परफॉर्मेंस देने के बाद भी उन्हें 14 महीने तक घर में ही बैठना पड़ा। उन्हें कोई काम नहीं मिला। अभिनेता ने कहा कि इंडस्ट्री बहुत असुरक्षित जगह है। मैंने खुद को संभाला और इन चीजों से निकलने की सोची और सफलता पाई। मैंने इसके खिलाफ आवाज उठाई।

उन्होंने सुशांत के बारे में बात करते हुए कहा कि सुशांत सिंह राजपूत को कभी भी अपनी जान नहीं गंवानी चाहिए थी। चाहे कुछ भी हो जाए। यह बहुत दुखद है। वह प्रतिभाशाली युवक थे और उनके पास दोस्तों का बेहतर नेटवर्क होना चाहिए था। आप इंडस्ट्री को परिवार कहते हैं तो परिवार को एक-दूसरे के लिए होना चाहिए।

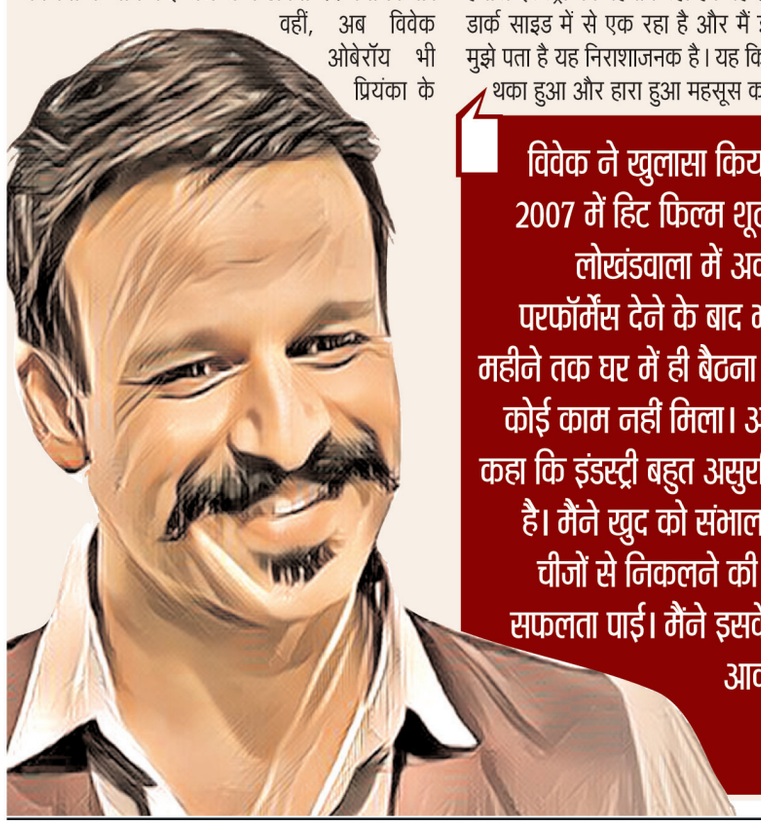

> विवेक ने खुलासा किया कि साल 2007 में हिट फिल्म शूटआउट एट लोखंडवाला में अवॉर्ड विनिंग परफॉर्मेंस देने के बाद भी उन्हें 14 महीने तक घर में ही बैठना पड़ा। उन्हें कोई काम नहीं मिला। अभिनेता ने कहा कि इंडस्ट्री बहुत असुरक्षित जगह है। मैंने खुद को संभाला और इन चीजों से निकलने की सोची और सफलता पाई। मैंने इसके खिलाफ आवाज उठाई।

साकार और निराकार दोनों ही रूप में कल्याणकारी शिव

भगवान शिव ही एक मात्र ऐसे देवता हैं जिनकी पूजा साकार और निराकार दोनों रूप में होती है। साकार रूप में शिव मनुष्य रूप में हाथ में त्रिशूल और डमरू लिये और बाघ की छाल पहने नजर आते हैं। जबकि निराकार रूप में भगवान शिवलिंग रूप में पूजे जाते हैं।

सभी देवी-देवताओं की साकार रूप की पूजा होती है लेकिन भगवान शिव ही एक मात्र ऐसे देवता हैं जिनकी पूजा साकार और निराकार दोनों रूप में होती है। साकार रूप में शिव मनुष्य रूप में हाथ में त्रिशूल और डमरू लिये और बाघ की छाल पहने नजर आते हैं। जबकि निराकार रूप में भगवान शिवलिंग रूप में पूजे जाते हैं। शिवपुराण में कहा गया है कि साकार और निराकार दोनों ही रूप में शिव की पूजा कल्याणकारी होती है लेकिन शिवलिंग की पूजा करना अधिक उत्तम है।

शिव पुराण के अनुसार शिवलिंग की पूजा करके जो भक्त शिव को प्रसन्न करना चाहते हैं उन्हें प्रात- काल से लेकर दोपहर से पहले ही इनकी पूजा कर लेनी चाहिए। इस दौरान शिवलिंग की पूजा विशेष फलदायी होती है। केवल शिवलिंग की ही पूजा क्यों होती है, इस विषय में शिव पुराण कहता है कि महादेव के अतिरिक्त अन्य कोई भी देवता साक्षात् ब्रह्मस्वरूप नहीं हैं। संसार भगवान शिव के ब्रह्मस्वरूप को जान सके इसलिए ही भगवान शिव ज्योर्तिलिंग के रूप में प्रकट हुए और शिवलिंग के रूप में इनकी पूजा होती है। इस संदर्भ में एक कथा है कि एक बार ब्रह्मा और विष्णु में श्रेष्ठता को लेकर विवाद होने लगा। दोनों निर्णय के लिए भगवान शिव के पास गये। विवाद का हल निकालने के लिए भगवान शिव साकार से निराकार रूप में प्रकट हुए। शिव का निराकार रूप अग्नि स्तंभ के रूप में नजर आ रहा था। ब्रह्मा और विष्णु दोनों इसके आदि और अंत का पता लगाने के लिए चल पड़े लेकिन कई युग बीत गए लेकिन इसके आदि अंत का पता नहीं लगा। जिस स्थान पर यह घटना हुई, वह अरूणाचल के नाम से जाना जाता है। ब्रह्मा और विष्णु को अपनी भूल का एहसास हुआ। भगवान शिव साकार रूप में प्रकट हुए और कहा कि आप दोनों ही बराबर हैं। इसके बाद शिव ने कहा, पृथ्वी पर अपने ब्रह्म रूप का बोध कराने के लिए मैं लिंग रूप में प्रकट हुआ इसलिए अब पृथ्वी पर इसी रूप में मेरे परमब्रह्म रूप की पूजा होगी। इसकी पूजा से मनुष्य को भोग और मोक्ष की प्राप्ति हो सकेगी।

अभिवादन में हाथ जोड़ कर नमस्ते या राम-राम क्यों कहते है?

शास्त्रों में पांच प्रकार के अभिवादन बतलाये गए है जिन में से एक है नमस्कार। नमस्कार को कई प्रकार से देखा और समझा जा सकता है। संस्कृत में इसे विच्छेद करें तो हम पाएंगे की नमस्ते दो शब्दों से बना है नमः ते नमः का मतलब होता है मैं (मेरा अंहकार) झुक गया।

हिंदू जब किसी से भी मिलते है तो उसे नमस्ते शब्द से अभिवादन करते हैं। नमस्ते में नमन का भाव है। शास्त्रों में पांच प्रकार के अभिवादन बतलाये गए है जिन में से एक है नमस्कार। नमस्कार को कई प्रकार से देखा और समझा जा सकता है। संस्कृत में इसे विच्छेद करें तो हम पाएंगे की नमस्ते दो शब्दों से बना है नमः ते नमः का मतलब होता है मैं (मेरा अंहकार) झुक गया। नम का एक और अर्थ हो सकता है जो है न में यानी की मेरा नहीं। आध्यात्म की दृष्टी से इसमें मनुष्य दुसरे मनुष्य के सामने अपने अंहकार को कम कर रहा है। नमस्ते करते समय दोनों हाथों को जोड़ कर एक कर दिया जाता है। जिसका अर्थ है की इस अभिवादन के बाद दोनों व्यक्ति के दिमाग मिल गए या एक दिशा में हो गये। बहुत से भारतीय लोगों से मिलते हैं तो नमस्ते कहने की बजाय राम राम कहना अधिक पसंद करते हैं। राम शब्द कानों में पढ़ते ही भगवान श्री राम का स्मरण हो जाता है। राम राम से भाव है एक राम मुझमें है और एक राम आपके अन्दर है। जो व्यक्ति राम राम कहता है वह यह सन्देश देना चाहता है की, मैं इस कलयुग में भगवन श्री राम जैसा आचरण रखता हूं और जिसके बदले में मैं आपसे मर्यादा पुरषोत्तम के जैसा ही आचरण चाहता हूं।

राम नाम केवल दो शब्द नहीं है बल्कि राम-नाम सम्पूर्ण सहस्त्रनाम के समान है। राम नाम जाप से ही सभी कष्टों से मुक्ति मिलती है। लौकिक और वैदिक जितने भी शब्द हैं, वे सब श्रीरामचन्द्रजी के ही नाम हैं। किन्तु सहस्त्रनाम उन सबमें अधिक है और उन सहस्त्रनामों में भी श्रीराम के एक सौ आठ नामों की प्रधानता अधिक है। श्रीविष्णु का एक-एक नाम ही सब वेदों से अधिक माना गया है। वैसे ही एक हजार नामों के समान अकेला श्रीराम-नाम माना गया है। जो सम्पूर्ण मन्त्रों और समस्त वेदों का जप करता है, उसकी अपेक्षा कोटिगुना पुण्य केवल राम-नाम से उपलब्ध होता है।

मौलि बढ़ाती है लाभ प्राप्ति की संभावनाएं

सनातन धर्म में किसी भी शुभ कार्य से पूर्व सर्वप्रथम मौली बांधने का विधान है। मौली बांधने की प्रथा का आरंभ उस समय हुआ जब से दानवीरों में अग्रणी महाराज बलि की अमरता के लिए वामन भगवान ने उनकी कलाई पर रक्षा सूत्र बांधा था। शास्त्रों में इस श्लोक के माध्यम से इसका ज्ञात होता है, येन बद्धो बलीराजा दानवेन्द्रो महाबल- तेन त्वामनुबध्नामि रक्षे मा चल मा चल।

अर्थात दानवों के महाबली राजा बलि जिससे बांधे गए थे, उसी से तुम्हें बांधता हूं। हे रक्षासूत्र तुम चलायमान न हो, चलायमान न हो। जिस रक्षासूत्र से दानवों के महापराक्रमी राजा बलि धर्म के बंधन में बांधे गए थे अर्थात् धर्म में प्रयुक्त किए गये थे, उसी सूत्र से मैं तुम्हें बांधता हूं, यानी धर्म के लिए प्रतिबद्ध करता हूं। तत्पश्चात राजा इन्द्र जब वृत्रासुर से युद्ध करने के लिए जा रहे थे तब इंद्राणी शची ने इन्द्र की दाहिनी भुजा पर रक्षा-कवच के रूप में मौली की तार बांधी। मान्यता है कि मौलि बांधने से ब्रह्मा, विष्णु व महेश तथा तीनों देवियों- लक्ष्मी, पार्वती व सरस्वती की कृपा प्राप्त होती है। ब्रह्मा की कृपा से कीर्ति, विष्णु की अनुकंपा से रक्षा बल मिलता है तथा शिव दुर्गुणों का नाश करते हैं। इसी प्रकार लक्ष्मी से धन, दुर्गा से शक्ति एवं सरस्वती की कृपा से बुद्धि प्राप्त होती है।

मौली बांधने का उद्देश्य ब्राह्मणों द्वारा अपने यजमानों को धर्म के लिए प्रेरित एवं प्रयुक्त करना है। पुरुषों तथा अविवाहित कन्याओं के दाएं हाथ में तथा विवाहित महिलाओं के बाएं हाथ में मौली बांधने का विधान है। मंगलवार या शनिवार को पुरानी मौली उतारकर नई मोली धारण करें। संकटों के समय भी रक्षासूत्र हमारी रक्षा करते हैं। वाहन, कलम, बही खाते, फैक्ट्री के मेन गेट, चाबी के छल्ले, तिजोरी पर मौली बांधने से शुभ लाभ होता है। महिलाएं मटकी, कलश, कंडा, अलमारी, चाबी के छल्ले, पूजा घर में मौली बांधें या रखें। मोली से बनी सजावट की वस्तुएं घर में रखने से खुशियों का समावेश होता है। नौकरी पेशा लोग कार्य करने की टेबल एवं दराज में पवित्र मौली रखें या हाथ में मौली बांधेंगे तो लाभ प्राप्ति की संभावना बढ़ती है। वैज्ञानिक रूप से देखा जाए तो मौली बांधना स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभकारी है। मौली-बांधने से वात पित्त और कफ तीनों का शरीर में संतुलन बना रहता है और शरीर नीरोग रहता है। शरीर की संरचना का प्रमुख नियंत्रण हाथ की कलाई में होता है। अतः कलाई में मौली बांधने से व्यक्ति हमेशा स्वस्थ रहता है। अगर कोई रोग लग भी जाए तो वो मौली बांधने से जल्दी खत्म हो जाता है। ब्लड प्रेशर, हार्ट एटेक, डायबीटिज और लकवा जैसे रोगों से बचाव के लिये मौली बांधना शुभ होता है। मौली सूत के धागे की ही होनी चाहिए।

मृत्यु के समय तुलसी पत्र मुख में क्यों डाला जाता है?

विष्णुपुराण, ब्रह्मपुराण, स्कन्दपुराण आदि अनेक ऐसे ग्रन्थ हैं जिनमें तुलसी की उत्पत्ति की अनेक कथाएं हैं। तुलसी का पौधा करीब करीब हर हिन्दू के घर में पाया जाता है और जो व्यक्ति इसके महत्व को जानता है वो चाहे किसी भी धर्म से संबंध रखता हो तुलसी का पौधा अपने घर में अवश्य लगाता है। तुलसी का पूजन रोजाना सुबह और शाम को किया जाता है क्योंकि तुलसी में साक्षात लक्ष्मी का निवास माना गया है। तुलसी हमारी आस्था एवं श्रद्धा की प्रतीक है कार्तिक मास में तुलसी विवाह की परम्परा है। तुलसी विवाह के उपरांत ही विवाह मुहूर्तों का प्रारम्भ होता है। मृत्यु के समय तुलसी पत्र युक्त जल मरणासन्न व्यक्ति के मुख में डाला जाता है ताकि उस व्यक्ति को सदगति प्राप्त हो सके। भगवान शालिग्राम की कोई भी पूजा तुलसी के बिना अधूरी है भगवान को नैवेद्य भोग आदि के अर्पण के समय तुलसी पत्र का होना अति आवश्यक है। जिस घर में शुभ कर्म होते हैं वहां तुलसी हरी भरी रहती हैं एवं जहां अशुभ कर्म होते हैं वहां तुलसी कभी भी हरी भरी नहीं रहतीं।

तुलसी का पौधा जून, जुलाई, अगस्त माह में लगाया जाए तो शीघ्र अंकुरित होता है। तुलसी पत्र को जब भी तोड़े तो मंजरी के पास के पत्ते तोड़ने चाहिए ताकि तुलसी की बढ़त अधिक हो। हिन्दू ग्रंथो के अनुसार जिस घर में तुलसी का पौधा लहलहाता रहता है उस घर में कोई वज्रपात नहीं हो सकता। जिस परिवार में तुलसी पौधे के समीप साल भर शाम को दीपक जलाते हैं वहां हमेशा श्री और संतान की वृद्धि होती है।

तुलसी से अनेक रोग दूर भागते हैं तुलसी साधारणतया दो प्रकार की होती है राम तुलसी और श्याम तुलसी दोनों प्रकार की तुलसी में गुण लगभग सामान होते हैं। तुलसी को कभी दांत से नहीं चबाना चाहिए। निम्न उपायों पर अगर आप गौर करे तो पाएंगे की आपके पूर्वज सदियों से अपने घर में इन उपायों का प्रयोग करते आ रहे हैं लेकिन आधुनिक युग में अंग्रेज़ी दवाओं के जाल में हम बुरी तरह जकड़े जा चुके हैं आइए हम अपनी विरासत को बचा कर रखें ...

- तुलसी पत्र और काली मिर्च का काढ़ा पीया जाए तो ज्वर शीघ्र भाग जाता है।
- भोजन के बाद अगर 5 तुलसी पत्र चुसे जाए तो मुख की दुर्गन्ध भाग जाती है।
- गुर्दे में पथरी हो तो तुलसी दल के रस में मधु मिलाकर नियमित सेवन करें।
- हिचकी आती हो तो छोटी इलायची के दानें को तुलसी पत्र के रस में मिलाकर चाटें।
- उल्टी आती है तो तुलसी पत्र के रस में मधु मिलाकर चाटें।
- चक्कर आ रहे हो तो तुलसी पत्र के रस में शक्कर मिलाकर चाटें।
- खांसी बहुत आ रही हो तो पांच भुनी हुई लौंग के साथ तुलसी पत्र को चुसें।
- वज़न बढ रहा है तो तुलसी पत्र का नियमित सेवन आरम्भ कर दें।
- दोपहर को भोजन के पश्चात अगर आप तुलसी पत्र का सेवन नियमित करते हैं तो आपकी पाचन शक्ति मजबूत हो जाएगी।
- कब्ज़ की शिकायत हो तो तुलसी के काढ़े में थोड़ा सा सेंधा नमक और पीसी हुई सोंठ मिलाकर सेवन करें।
- अगर आपको पेट दर्द है तो तुलसी पत्र और अदरक के रस को बराबर मात्रा में थोड़ा गर्म करके सेवन करें।
- स्मरण शक्ति कमज़ोर हो गयी हो तो प्रतिदिन प्रातः काल तुलसी की पांच पत्तियां जल के साथ निगलें।

कैसे बनता है व्यक्ति बुद्धिमान

शास्त्रों में कहा है - बुद्धेः फलं अनाग्रहः।
अर्थात बुद्धि का फल क्या है? बुद्धि का फल है भोगों में और संसार की घटनाओं में आग्रह नहीं रहना। बड़ा सिद्ध हो, त्रिकाल ज्ञानी हो लेकिन हेय और उपादेय बुद्धि हो तो वह तुच्छ है।
हेय और उपादेय बुद्धि क्या है? हेय माने छोड़ने योग्य, उपादेय माने ग्रहणीय। जब जगत ही मिथ्या है तो उसमें यह पाना है, यह छोड़ना है, यह करना है, यह नहीं करना है। ऐसी बुद्धि जब तक बनी रहेगी तब तक वह बुद्धि अकृत्रिम शान्ति में टिकेगी नहीं। अकृत्रिम शान्ति में टिकने के लिए हेयोपादेय बुद्धि का त्याग करना पड़ता है।
छोड़ने योग्य और ग्रहणीय न हो।
यह हेय-उपादेय बुद्धि है। जो जहां है वहीं रहकर हेयोपादेय बुद्धि छोड़कर भीतर की यात्रा करता है तो वह ऊंचे पद को पाता है। जो छोड़ने पकड़ने में लगा है तो वह वैकुण्ठ में जाने के बाद भी शान्ति नहीं पाता इसलिए हेयपादेय बुद्धि छोड़ दें जैसे मिट्टी में बैठते हैं, फिर कपड़े झाड़ कर चल देते हैं, इसी प्रकार व्यवहार करके सब छोड़ दो।
व्यवहार मनुष्य का वह गुण है, जो पग-पग पर उसकी रक्षा करता है। मनुष्य की व्यवहार कुशलता ही दूसरे मनुष्य के हृदय पर कोई छाप छोड़ सकती है, जिसकी वजह से दूसरा व्यक्ति उसकी तरफ आकर्षित होता है। किसी से उस तरह से बात करो जिस तरह तुम यह पसंद करते हो कि लोग तुम्हारे साथ बात करें क्योंकि ईश्वर लानत व धिक्कार करने वाले,गाली देने वाले और बुरा भला कहने वाले से घृणा करता है और सहनशील और सदाचारी को पसंद करता है।
अष्टावक्र मुनि कहते हैं- अकर्तृत्वं अभोक्तृत्वं स्वात्मनो मन्यते यदा। तदा क्षीणा भवन्त्येव समस्ताश्चित्तवृत्तयः।।
अर्थात जब पुरूष अपने आत्मा के अकर्त्तापने को और अभोक्तापन को मानता है तब उसकी सम्पूर्ण चित्तवृत्तियां करके नाश होती हैं। चित्त में जब अकर्तृत्व और अभोक्तृत्व कि निष्ठा जमने लगती है तो वासनाएं क्षीण होने लगती हैं।

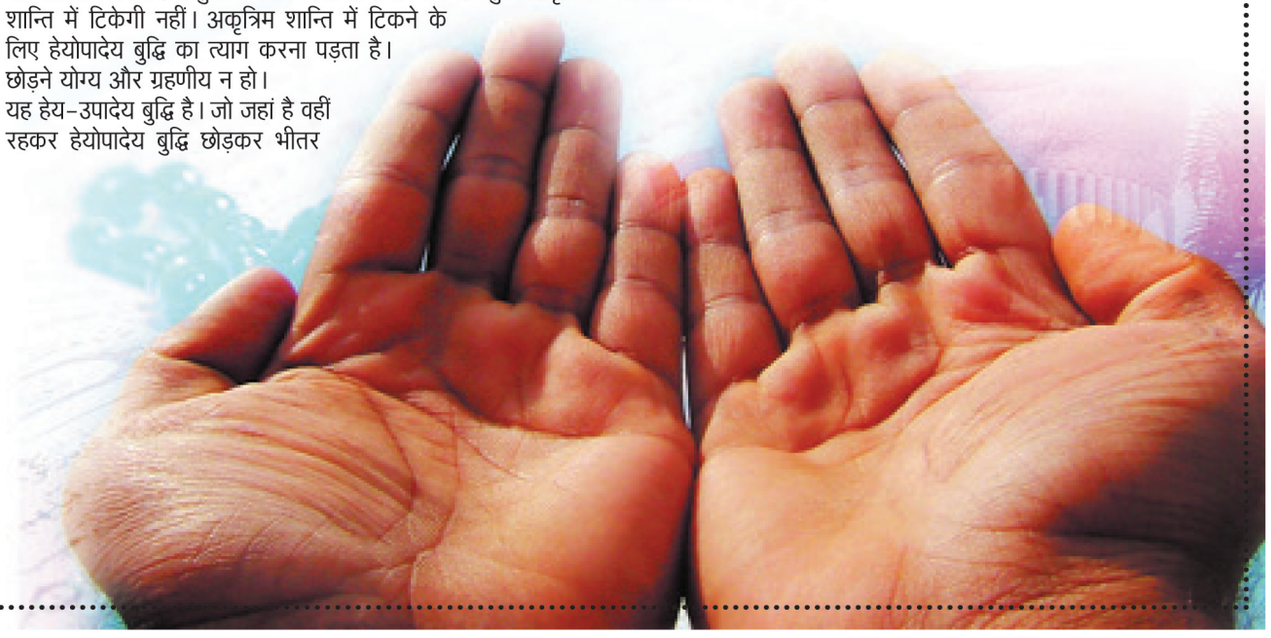

भाजपा स्थापना दिवस पर सामाजिक न्याय सप्ताह मनायेगी 6 से 14 तक

जगदलपुर। भारतीय जनता पार्टी आगामी 06 अप्रैल से 14 अप्रैल तक सेवा समर्पण के साथ सामाजिक न्याय सप्ताह मनायेगी। जिसमें भाजपा के कार्यकर्ता प्रत्येक बूथ स्तर पर आम जनता के बीच पहुंचकर सेवा समर्पण भाव से विविध कार्यक्रम आयोजित करेंगे। भाजपा जिला कार्यालय में सामाजिक न्याय सप्ताह की आवश्यक तैयारियों व रूपरेखा को समझाने बताने के लिये विधानसभा स्तरीय आहूत बैठक में मुख्य वक्ता के रुप में पूर्व मंत्री एवं भाजपा राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य लता उसेण्डी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। सामाजिक न्याय सप्ताह कार्यक्रम के जिला संयोजक रजनीश पाणिग्रही व सहसंयोजक नरसिंह राव बनाये गये हैं।

लता उसेण्डी ने कहा कि भाजपा के स्थापना दिवस 06 अप्रैल को है, प्रत्येक बूथ में ध्वजारोहण कर स्थापना दिवस मनाया जायेगा इसके साथ ही सामाजिक न्याय सप्ताह का आरंभ होगा, 07 अप्रैल को भाजपा युवा मोर्चा स्वास्थ्य शिविर, रोजगार परामर्श शिविर सहित स्वच्छता कार्यक्रम चलायेगा, 08 अप्रैल को अजजा मोर्चा द्वारा जनजातीय युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से केन्द्र सरकार की योजनाओं को सम्मेलन आयोजित कर बताया जायेगा, 09 अप्रैल को किसान मोर्चा प्राकृतिक खेती के विषय में जनजागरण अभियान

चलायेगा, साथ ही शहरी क्षेत्रों में अन्न को लेकर जन जागरूकता कार्य करेगा, 10 अप्रैल को महिला मोर्चा अनुसूचित जाति वर्ग की महिलाओं के साथ सहभोज में शामिल होंगी।

11 अप्रैल को पिछड़ा वर्ग मोर्चा के नेत्तृत्व में ज्योति राव फूले की जयंती मनायी जायेगी, 12 अप्रैल को चिकित्सा शिविर, स्वच्छता कार्यक्रम, 13 अप्रैल को जलाशयों के सफाई व वृक्षारोपण कार्यक्रम और 14 अप्रैल को बाबा साहेब अम्बेडकर जयंती मनायी जायेगी।

भाजपा जिला अध्यक्ष रुपसिंह मण्डावी, शिवनारायण पाण्डेय, जगदलपुर विधानसभा प्रभारी निखिल राठौर ने भी संबोधन दिया। कार्यक्रम का संचालन रामाश्रय सिंह, वेदप्रकाश पाण्डेय ने किया व आभार प्रदर्शन रजनीश पाणिग्रही ने किया। लोहण्डीगुड़ा में भी चित्रकोट विधानसभा स्तरीय बैठक पूर्व भाजपा प्रदेश महामंत्री किरण देव व नरसिंह राव ने ली।

बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व विधायक संतोष बाफना, योगेन्द्र पाण्डेय, आलोक अवस्थी, मण्डल अध्यक्ष सुरेश गुप्ता, सतीश सेठिया, फूल सिंह सेठिया, सुधा मिश्रा, मनोहर तिवारी, वेदांत दीक्षित, शैलेन्द्र भदौरिया, संग्राम सिंह राणा, राममूर्ति पाण्डेय, रंजीत पाण्डेय, राजपाल कसेर, दिगम्बर राव, त्रिवेणी रंधारी, ममता पोटाई, नीलम यादव, मोती राम बघेल, राकेश तिवारी, आशुतोष पाल, योगेश ठाकुर, अभय दीक्षित, योगेश शुक्ला,सतीश बाजपेयी, किशोर महावर, रितेश सोनी, रवि कश्यप, नीलाम्बर सेठिया, शेखर शर्मा, रघु सेठिया, शशिनाथ पाठक, प्रकाश झा, परेश माटी, आनंद झा, रौशन झा, शैलेष श्रीवास्तव, केतन महानंदी, बिजली बैद्य, सुधारने, सेवती भारद्वाज, दशरथ गुप्ता, योगेश मिश्रा, सुनील दास, मनोहर सेठिया, लोकेश्वर राव आदि सहित भाजपा कार्यकर्ता शामिल थे।

संक्षिप्त समाचार

भाजपा नेता राकेश यादव ने की केंद्रीय वन मंत्री से मुलाकात

बालोद । बालोद के भाजपा नेता राकेश यादव ने केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री से सौजन्य भेंट की। केंद्रीय वन पर्यावरण एवं श्रम मंत्री भूपेन्द्र से दिल्ली कार्यालय में सांसद मोहन मंडावी के नेतृत्व में पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष राकेश यादव बालोद, पूर्व भाजपा ज़िलाध्यक्ष भरत मटियारा ,पिछडा आयोग के पूर्व अध्यक्ष सोमनाथ यादव, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष नंद कुमार ओझा, छग प्रदेश अध्यक्ष यादव समाज रमेश यदु आदि ने सौजन्य मुलाक़ात किये एवं छत्तीसगढ़ आने का निमंत्रण दिये।सांसद ने क्षेत्र की समस्याओं से अवगत कराते हुए उन्हें बताया कि जंगल क्षेत्र के पहाड़ी नदी नालों में चेकडेम बनाया जाये। जिससे किसानों की खेतों में सिंचाई हो सके एवं मछली पालन किया जा सके। जिससे लोगों को रोज़गार मिल सके। मंत्री ने अतिशीघ्र बस्तर आने का आश्वासन दिया एवं योजनाओं के लिए धनराशि उपलब्ध कराने की बात कही।

थाना बारसूर क्षेत्र से 01 माओवादी गिरतार

दंतेवाड़ा । श्रीमान पुलिस महानिरीक्षक, बस्तर रेंज जगदलपुर श्री सुन्दरराज पी0 (भापुसे0), उप पुलिस महानिरीक्षक कमलोचन कश्यप (भापुसे0) दन्तेवाड़ा रेंज, के मार्गदर्शन में पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ तिवारी (भापुसे0), अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कुमार बर्मन (रापुसे0) एवं पुलिस अनुविभागीय अधिकारी बारसूर सुश्री आशारानी (रापुसे0) के निर्देशानुसार जिले में चलाये जा रहे नक्सल उन्मूलन अभियान के तहत दिनांक 05.04.2023 को डीआरजी दन्तेवाड़ा का बल इन्द्रावती एरिया के नक्सलियों की उपस्थिति की आसूचना पर थाना बारसूर के ग्राम तुमरीगुण्डा के जंगल की ओर रवाना हुए थे कि ग्राम तुमरीगुण्डा के जंगल में 01 संदिग्ध व्यक्ति पुलिस को देखकर भागने व छिपने लगा। जिसे पुलिस पार्टी के द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया। पकड़े गये संदिग्ध व्यक्ति से पूछताछ करने पर अपना नाम छन्नू राम उर्फ सन्नू पिता स्व0 मोटू राम उम्र लगभग 39 वर्ष निवासी थुलथुली थाना बारसूर जिला नारायणपुर जो प्रतिबंधित माओवादी संगठन में इन्द्रावती एरिया कमेटी अन्तर्गत काकवर पंचायत विकास शाखा अध्यक्ष के पद पर कार्य करना बताया। जिसके विरूद्ध पूर्व से थाना बारसूर में पूर्व से अप0 कं0-01/2023 धारा 147, 148, 149, 342, 364, 302 भादवि0 25 आर्म्सएक्ट, 38 (2), 39(2) विविविनिअधि0 पंजीबद्ध होने से आज दिनांक 06.04.2023 को विधिवत रूप से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमाण्ड पर भेजा गया।

सुकरों की बीमारी पर प्रशासन गंभीर

दंतेवाड़ा । जिला दन्तेवाड़ा के विकासखंड कुआकोंडा के ग्राम हितावर नकुलनार, गढ़मिरी, गोंगपाल, बड़े हड़मामुण्डा एवं श्यामगिरी से सुकरों की बीमारी की सूचना मिलते ही जिला पशु रोग अन्वेषण केन्द्र दन्तेवाड़ा द्वारा सुकरों का सैंपल लिया गया है। उक्त सैंपल के जांच हेतु राज्य स्तरीय प्रयोगशाला में भेजा गया है, डॉ. एस जहीरूदीन उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं जिला दन्तेवाड़ा ने बताया की जिला स्तर पर दल गठित किया गया है। जिले में पदस्थ पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ. श्यामा मालवीय, डॉ. सुरेन्द्र कुमार मरकाम, डॉ. मनोज यादव, डॉ. सरिता सोम, डॉ. मनोहर चन्द्राकर, डॉ. रजत रत्नायके को विकासखण्ड कुआकोण्डा के समस्त ग्राम में 06 अप्रैल से 13 अप्रैल 2023 तक टीकाकरण, उपचार एवं निरीक्षण कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है। जिले के सुकरों में टीकाकरण कार्य/टैगिंग कार्य निरंतर किया जा रहा है। साथ ही जिला स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है जिसमें डॉ. सुधीर भगत जिला नोडल अधिकारी-8839859068, श्री प्रतीक ब्रम्ह-9425252054 एवं कु. उमा सिंह सेंगर 7440367613 को कन्ट्रोल रूम में कार्य करने हेतु निर्देशित किया गया है साथ ही समस्त जिला वासियों से निवेदन है कि सुकरों की आकस्मिक मृत्यु होने पर कंट्रोल रूम में सम्पर्क कर सूचना प्रदान करें।

पानी से भरे गड्ढे में बच्चे की डूबकर हुई मौत

जगदलपुर। बोधघाट थानांतर्गत ग्राम करकापाल में एक दो वर्ष के अबोध बच्चे की पानी से भरे गड्ढे में डूबने से मौत हो गई। मिली जानकारी के मुताबिक बच्चे का पिता रामनाथ नाग इमली तोड़ने पेड़ पर चढ़ा था और उसकी मां शांति नाग नीचे इमली बीन रही थी तभी दो वर्षीय पुत्र किरण पड़ोस के घर में बने पानी से भरे गड्ढे तक पहुंचा और पानी में डूब गया। थोड़ी देर बाद जब पड़ोसी ने बच्चे का शव पानी में तैरते देखा तो हादसे का पता चला।

भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस प्रवेश किया

बीजापुर। जिले के उसूर ब्लॉक अंर्तगत ग्राम पंचायत मुरकीनार से 20 और भैरमगढ़ ब्लॉक के ग्राम पंचायत गुदमा से 11 कुल 31 भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं ने भाजपा छोड़कर कांग्रेस प्रवेश करने का दावा बीजापुर कांग्रेस ने किया है।

भाजपा से कांग्रेस प्रवेश करने वालों में ग्राम गुदमा से सुदरू मिच्छा, चैतु मिच्छा, बलराम मिच्छा, प्रदीप मिच्छा, संजय मिच्छा, सुनील मिच्छा, सुरेंद्र मिच्छा, राजेश कुहरामी, संतोष मिच्छा, जगदीश मिच्छा और रमेश मिच्छा शामिल थे, वहीं ग्राम मुरकीनार से लक्ष्मण नाईक, रामदास नाईक, नारायण चालकी, सुभाष नाईक, बैसाकु चालकी, सीताराम नाईक, रामनाथ चालकी, महादेव साहनी, राहुल नाईक, ज़िलाराम नाईक, मनोज घरत, संदीप साहनी, रामलाल नाईक,

गुलेश्वर कुपाल, रामसाय साहनी, गोलू यादव, चंद्रप्रकाश चालकी, निकिल घरत, मनीदेव नाईक और ललित मांझी आदि ने कांग्रेस में शामिल हो गये है। सभी को कांग्रेस की सदस्यता दिलाते हुए जिला कांग्रेस कमेटी बीजापुर के अध्यक्ष लालू राठौर ने कहा कि कांग्रेस की रीति नीति और प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल व बीजापुर के विधायक विक्रम मंडावी की सक्रियता और उनके द्वारा क्षेत्र में किए जा रहे विकास कार्यों से प्रभावित होकर 31 सक्रिय भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस पार्टी में प्रवेश किए है, जिनका फूलमालाओं और कांग्रेस पार्टी का गमछा पहनाकर पार्टी में प्रवेश कर लिया गया है। इस दौरान बीजापुर के विधायक एवं बस्तर क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, ज़िला पंचायत सदस्य व पीसीसी सदस्य नीना रावतिया उद्दे, नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष बेनहुर रावतिया, पीसीसी सदस्य जय कुमार नायर, पीसीसी सदस्य ज्योति कुमार, जनपद अध्यक्ष दशरथ कुंजाम, जनपद उपाध्यक्ष सहदेव नेगी, नगर पालिका उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम सल्लूर, वरिष्ठ पार्षद कलाम खान, मनधर नाग, ज़िला कांग्रेस कमेटी के उपाध्यक्ष सुनील उद्दे, पूर्व ज़िला पंचायत सदस्य चापा सुरेंद्र, ज़िला कांग्रेस कमेटी के कोषाध्यक्ष पुरुषोत्तम खत्री, मीडिया प्रभारी राजेश जैन, बब्बू राठी, राजीव सिंह के अलावा अन्य कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित थे।

3 माह से अधिक समय से खराब सोलर पंप को सुधार कर पेयजल की समस्या को दूर करने के लिए अधिकारियों से मिले मुड़ामी

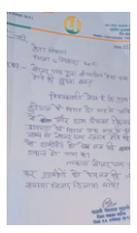

दंतेवाड़ा । अनूसूचित जनजाति मोर्चा प्रदेश महामंत्री नंदलाल मुड़ामी लागतार ग्रामीण क्षेत्रों के प्रवास पर रहते है इसी प्रवास दरमियान ग्रामीणों ने मुड़ामी को पेयजल की समस्या के विषय में बताया। ग्राम पंचायत कूटेपाल में विगत 3 माह से और ग्राम पंचायत टीकनपाल रावपारा में विगत 1 माह से अधिक समय से सोलर पंप खराब होने की वजह से ग्रामीणों को पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है। गर्मियों की शुरुआत हो गई है और पानी समस्या से ग्रामीणों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। टीकनपाल रावपारा ही लगभग 200 से अधिक परिवार और कूटेपाल में डेढ़ सौ से अधिक परिवार इस सोलर पंप द्वारा चलित पेयजल पर आश्रित हैं। मुड़ामी ने क्रेडा विभाग के अधिकारियों से मिलकर इस समस्या से अवगत कराया और जल्द से जल्द समाधान के लिए अधिकारियों को लिखित आवेदन दिया। अधिकारियों ने जल्द सोलर सिस्टम को सुधारने के लिए मुड़ामी को आश्वस्त किया है।

निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश

कांकेर। कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला ने आज जिला स्तरीय अधिकारियों की बैठक लेकर समय-सीमा में निराकरण पत्रों की समीक्षा करते हुए निर्माण कार्यों को शीघ्र पूरा करने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2020-21 में स्वीकृत सभी निर्माण कार्यों को अप्रैल माह तक अनिवार्य रूप से पूरा किया जाये।

गौठानों में रीपा अंतर्गत स्वीकृत गतिविधियों को प्रारंभ करने के निर्देश भी उनके द्वारा दिये गये। कलेक्टर द्वारा बेरोजगारी भत्ता के लिए प्राप्त आवेदनों के सत्यापन तथा सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण की भी समीक्षा की गई। सर्वेक्षण कार्य को सुचारू रूप से संपन्न कराने के लिए नियुक्त नोडल अधिकारियों को क्षेत्र का भ्रमण करने तथा सुपरवाईजरों का वाट्सएप ग्रुप बनाकर प्रतिदिन का लक्ष्य निर्धारित करते हुए सर्वेक्षण कार्य को पूरा करने के लिए निर्देशित किया गया।

उल्लेखनीय है कि जिले में प्रतिदिन लगभग 11 हजार 200 परिवारों का सर्वे करने का लक्ष्य रखा गया है, ताकि 20 अप्रैल तक जिले में सर्वे का कार्य पूर्ण किया जा सके। बताया गया कि कांकेर जिले में अब तक 11 हजार 376 परिवारों का सर्वे किया जा चुका है तथा सत्यापन का कार्य जारी है। बेरोजगारी भत्ता के लिए प्राप्त ऑनलाईन आवेदनों की समीक्षा भी की गई तथा सत्यापन के लिए चिन्हांकित स्थलों में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये गये। गोबर से बने प्राकृतिक पेंट से शासकीय भवनों का पोताई करने के लिए निर्माण विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। गोटुल, देवगुड़ी एवं बस्तर विकास प्राधिकरण अंतर्गत स्वीकृत सभी कार्यों को जून माह तक अनिवार्य रूप से पूरा करने के लिए अधिकारियों को निर्देशित किया गया।

कलेक्टर डॉ. प्रियंका शुक्ला द्वारा गोधन न्याय योजना की समीक्षा करते हुए गौठानों में गोबर विक्रेताओं की संख्या बढ़ाने तथा वर्मी कम्पोस्ट के निर्माण एवं उसके विक्रय में तेजी लाने के निर्देश दिये गये।

कृषि महाविद्यालय में जलग्रहण विकास दल का कराया गया भ्रमण

कांकेर। रामप्रसाद पोटाई कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र सिंगारभाट कांकेर के बी.एस.सी. कृषि अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा व्यावसायिक उद्यानिकी विषय के अंतर्गत विभिन्न सब्जियों के उत्पादन तकनीक का प्रायोगिक प्रदर्शन सह-प्राध्यापक उद्यानिकी डॉ. पी.एस. मरकाम के मार्गदर्शन में किया गया है। कृषि महाविद्यालय के प्रक्षेत्र में प्रमुख रूप से लौकी, करेला, भिंडी, बरबट्टी एवं तरबूज लगाया गया है। बालोद जिला के विकासखंड गुरुर से भ्रमण पर आये जलग्रहण विकास दल को उपरोक्त सब्जियों के प्रदर्शन क्षेत्र का भ्रमण कराया गया।

फर्जी आय प्रमाण पत्र बनाने वाले दुकान पर की गई दंडात्मक कार्रवाई

दंतेवाड़ा,(भारत भास्कर) । कलेक्टर विनीत नंदनवार के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा फर्जी आय प्रमाण पत्र बनाने वाले दुकान का औचक निरीक्षण कर संचालक पर दंडात्मक कार्यवाही की गई है। प्रशासन को मिली शिकायत पर कलेक्टर नंदनवार ने गंभीरता से लेते हुए तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश राजस्व और पुलिस को दिए थे। शिकायत के अनुसार न्यू बॉम्बे फोटो स्टूडियो द्वारा फर्जी तौर पर आय प्रमाण पत्र बनाया जा रहा था। कलेक्टर के निर्देशों के परिपालन में राजस्व एवं पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा न्यू बॉम्बे फोटो स्टूडियो पर आकस्मिक छापा मार कार्यवाही करते हुए दुकान की गहनता से जांच की गई। जांच में स्टूडियो से फर्जी प्रमाण पत्र बनाना कि शिकायत सही पाई गई। कार्यवाही में स्टूडियो के आय प्रमाण पत्र बनाने में उपयोग की गई कंप्यूटर सहित सभी उपकरणों को जब्त कर सील बंद किया गया साथ ही जारी करने वाले व्यक्ति को गिरफ्तार कर आगे की कार्यवाही की जा रही है।

चोरी के दो मामले में चोरी का आरोपी गिरफ्तार

कोंडागांव। जिले के थाना माकड़ी पुलिस को प्रार्थी बुधमन दीवान पिता हरचन्द दीवान, उम्र 61 वर्ष, निवासी मारागांव, थाना माकड़ी ने थाना आकर रिपोर्ट दर्ज कराया घर में रखे साउण्ड बॉक्स कीमती 3500 रूपयें को चोरी कर ले गया है। रिपोर्ट पर थाना माकड़ी में अपराध क्रमांक 15/23 धारा 380,454 भादवि. कायम कर विवेचना में लिया गया।

थाना माकडी से टीम गठित कर तत्काल आरोपी की पतासाजी कर आरोपी चैनप्रसाद पटेल को मारागांव में घेराबंदी कर गिरफ्तार किया गया। आरोपी द्वारा चोरी की घटना करना स्वीकार करने पर आरोपी के मेमोरेण्डम के आधार पर घटना में प्रयुक्त कुल्हाड़ी, लोहे का बंडा एवं चोरी हुए साउण्ड बॉक्स को बरामद किया गया है। उक्त आरोपी एक अन्य अपराध क्रमांक 59/2022 धारा 380 भादवि. के प्रकरण में सम्मिलित था, जो घटना 27 नवंबर 2022 को घटना स्थल देहारीपारा माकड़ी से हिरो सुपर स्प्लेण्डर मोटर सायकल चोरी कर अमरावती रोड़ तक ढुलाते ले गया था, मोटर सायकल चालू नही होने से एवं घटना दिनांक के रात को पुलिस पेट्रोलिंग वाहन का सायरन का आवाज आने से उक्त आरोपी मोटर सायकल को छोड़कर भाग गया था। मोटर सायकल को पूर्व में बरामद किया गया है। आरोपी चैनप्रसाद पटेल पिता को उक्त दोनों प्रकरण में कार्यवाही उपरांत आज न्यायालय के समक्ष पेश कर न्यायिक रिमाण्ड पर जेल दाखिल कर दिया गया है।

फैल रहा है दीपक के उजियारे का दायरा... अब सैलजा से लंबी मुलाकात

जगदलपुर। बस्तर सांसद दीपक बैज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद की तरफ तेजी से बढ़ रहे हैं। अब तक भूपेश बघेल सरकार के मंत्री अमरजीत भगत का नाम तेजी से उभर रहा था लेकिन तेजी से बदलते घटनाक्रम में अब दीपक के उजियारे का दायरा बढ़ गया है। कल दिल्ली में बस्तर सांसद दीपक बैज की मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के साथ मुलाकात के बाद संकेत मिलने शुरू हो गए थे। आज उनकी एआईसीसी महासचिव और कांग्रेस की छत्तीसगढ़ प्रभारी कुमारी सैलजा से सौजन्य मुलाकात की। यह मुलाकात तकरीबन 50 मिनट चली और इशारा कर गई कि दीपक बैज छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष पद की दौड़ में फिलहाल आगे निकल चुके हैं। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कल कांग्रेस के राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी और प्रियंका

गांधी से मुलाकात की थी। यह भी संकेत मिले हैं कि प्रदेश अध्यक्ष आदिवासी वर्ग से होगा तो एक कार्यकारी अध्यक्ष अनुसूचित जाति वर्ग से और एक सामान्य वर्ग से होगा। संभावना है कि मंत्री शिव डहरिया और वरिष्ठ विधायक सत्यनारायण शर्मा की जिम्मेदारी बढ़ सकती है। जहां तक अध्यक्ष पद की बात है तो बस्तर सांसद दीपक बैज मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, प्रदेश प्रभारी सैलजा की पहल पर आलाकमान की मंजूरी पा सकते हैं। अब सवाल यह है कि दीपक बैज संगठन में इस बड़ी जिम्मेदारी के लिए सर्वथा उपयुक्त क्यों माने जा सकते हैं तो इन तथ्यों पर गौर किया जा सकता है कि अमरजीत भगत और दीपक बैज में सबसे बड़ा फर्क यह है कि वे अपेक्षाकृत अधिक युवा हैं और कांग्रेस युवा पीढ़ी को अवसर देने में रुचि ले रही है। भगत मंत्री के तौर पर बेहतर काम कर रहे हैं। वे सरगुजा में मंत्री टीएस सिंहदेव के बाद सबसे प्रभावशाली कांग्रेस नेता के रूप में उभरे हैं। सिंहदेव कुछ समय से नाराज चल रहे हैं तो सरगुजा में कांग्रेस को भगत की ज्यादा जरूरत है इसलिए उन्हें पूरे प्रदेश में संगठन की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी तो वे सरगुजा में ज्यादा फोकस नहीं कर पाएंगे। भगत को विधानसभा चुनाव लड़ना है तो जाहिर है कि उन्हें अपने निर्वाचन क्षेत्र पर भी विशेष ध्यान देना होगा। जबकि दीपक बैज को अगले साल लोकसभा चुनाव लड़ना है तब वे विधानसभा चुनाव के लिए संगठन को पूरा समय दे सकते हैं, जिसका कांग्रेस को अगले लोकसभा चुनाव में भी फायदा मिल सकता है। एक तथ्य यह भी है कि मौजूदा संगठन अध्यक्ष बस्तर संभाग से हैं तो बस्तर को उम्मीद है कि अगला अध्यक्ष बस्तर से ही हो। इसके अलावा एक सांसद की हैसियत से दीपक बैज छत्तीसगढ़ के हक में जो शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं, उसे कांग्रेस का नेतृत्व भी देख रहा है। उन्हें संगठन में भी जिम्मेदारी दी जाती है तो उनकी प्रतिभा में और निखार आएगा, जिसका लाभ कांग्रेस को ही होगा। इसके अलावा एक बात यह भी है कि सत्ता के किसी व्यक्ति को संगठन में लाने से जो असंतुलन उत्पन्न होगा, उसे भी सांसद बैज को संगठन की कमान सौंपने पर टाला जा सकता है। रही बात सर्व स्वीकार्यता की तो कांग्रेस में ऐसा कोई नहीं है जो दीपक बैज की शिष्टता, कर्मठता, आक्रामकता और समन्वय की शैली से वाकिफ न हो।

संक्षिप्त समाचार

प्रयास विद्यालय के शिक्षकों को तत्काल दिलाया वेतन

दुर्ग। शिकायतों की जनसुनवाई करते हुए राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के उपाध्यक्ष राज्य मंत्री दर्जा आरएन वर्मा ने आवेदक आशीष टिकरिया का बकाया वेतन एक लाख तीस हज़ार रुपये प्रयास बालक विद्यालय गुढ़ियारी रायपुर के मैनेजर मेट्रिक जी एकेडमी से तत्काल वेतन जमा करने के निर्देश दिए। मैनेजर द्वारा निर्देश का पालन करते हुए आवेदक का बकाया वेतन उसे तत्काल आयोग के समक्ष भुगतान किया गया। उसी प्रकार प्रयास विद्यालय की शिक्षिका स्वाति पांडे एवं शिक्षक शशांक नयंत का वेतन प्रयास विद्यालय के मैनेजर द्वारा विगत 3 माह से नहीं किए जाने की जानकारी प्राप्त होने पर मैनेजर को निर्देशित किया गया कि 3 दिनों के अंदर उनका भी वेतन भुगतान कर आयोग में पावती पेश करें अन्यथा की स्थिति में एकेडमी के लाइसेंस पर कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई। अन्य शिकायत डॉ. पीसी ताम्रकार वरिष्ठ व्याख्याता शास. कन्या पॉलिटेक्निक रायपुर के प्रमोशन से संबंधित था जिसके लिए संचालक को स्पष्टीकरण पेश करने निर्देश दिया गया। आयोग में प्राप्त अन्य शिकायतों का भी तत्काल निराकरण किया जा रहा है।

हिन्द नगर मे कर्मा जयंती मनाई गई

रिसाली। तहसील साहू संघ रिसाली के अंतर्गत हिन्द नगर व लक्ष्मी नगर इकाई मे माँ कर्मा उत्सव व प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओ ने कलश यात्रा निकाला। कार्यक्रम के मुख्यअतिथि गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू थे। अध्यक्षता तहसील साहू संघ रिसाली के अध्यक्ष सन्तोष कुमार साहू ने की।इस अवसर पर इकाई अध्यक्ष महेंद्र कुमार साहू, उपाध्यक्ष किसोर कुमार साहु, महिला उपाध्यक्ष राजकुमारी साहू सहित समाज की महिलाएं व हिन्द नगर व लक्ष्मी नगर के सामाजिक गन उपस्थित थे।

रिसाली पार्षद ने महापौर को ज्ञापन सौंपा

रिसाली। नगर पालिका निगम रिसाली के वार्ड क्रमाक 13 मरोदा टैंक रिसाली के युवा पार्षद विधि यादव ने निगम क्षेत्र के विभिन्न वार्डो मे लगातर हो रहे पेय जल समस्या को लेकर रिसाली महापौर श्रीमती शशि अशोक सिन्हा को ज्ञापन सौपा।श्री यादव ने अपने दिए ज्ञापन में बताया कि टुल्लू पम्प के कारण सुबह नलो में पानी नही आ पा रहा है। इसलिये सुबह 1 घंटे बिजली कटौती और टुल्लू पम्प लगाकर पानी खिंचने वाले के खिलाफ कार्याही की माँग की।

अकबर ग्राम गंडईखुर्द में आयोजित पंच कुण्डीय श्री सत चंडी महायज्ञ में शामिल हुए

कवर्धा। प्रदेश के वन, परिवहन, आवास एवं पर्यावरण मंत्री तथा कवर्धा विधायक श्री मोहम्मद अकबर बोड़ला विकासखंड के ग्राम गंडईखुर्द में आयोजित पंच कुण्डीय श्री सत चंडी महायज्ञ में शामिल हुए। मंत्री श्री अकबर ने पंच कुण्डीय श्री सत चंडी महायज्ञ में पूजा अर्चना कर प्रदेश की खुशहाली की कामना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने यज्ञ कुंड का परिक्रमा कर नारियल अर्पित किए। इस दौरान मंत्री श्री अकबर ने गांव के विकास के लिए 10 लाख रुपए की घोषणा की। इस अवसर पर जनपद पंचायत अध्यक्ष बोड़ला श्रीमती अमिता प्रभाती मरकाम,श्री नीलू चंद्रवंशी, श्री सनत जायसवाल, जिला कृषि उपज मंडी के अध्यक्ष नीलकंठ साहू, उपाध्यक्ष श्री चोवाराम साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियो ने भी पूजा अर्चना कर आशीर्वाद लिया।

सीजीपीएससी की निःशुल्क कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा 9 को

दुर्ग। वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों को नि:शुल्क सीजीपीएससी की कोचिंग के लिए प्रवेश परीक्षा एलईएडी-36(चतुर्थ वर्ष में) के माध्यम से छत्तीसगढ़ के आर्थिक-सामाजिक-भौगोलिक रूप से पिछड़े 70 प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को जो प्रशासनिक अधिकारी बनने का सपना रखते है, बिना किसी फीस के छत्तीसगढ़ पीएससी परीक्षा की तैयारी करने में सहयोग करने हेतु चयन के लिए 9 अप्रैल, रविवार को प्रवेश परीक्षा आयोजित की गई है। किसी भी वंचित पृष्ठभूमि के विद्यार्थियों के लिए मुख्य चुनौती सामाजिक पूँजी का अभाव होना ही माना गया है। जिस वजह बहुत से मेधावी और प्रतिभावान छात्र आर्थिक सहयोग के बावजूद अपने आस पास सही मार्गदर्शन एवं प्रेरणा में कमी तथा व्यक्तिगत चुनौतियों को पहचान कर उन पर कार्य न कर सकने के कारण छत्तीसगढ़ पीएससी जैसे चुनौतीपूर्ण परीक्षाओं में पीछे रह जाते है। एलईएडी-36 कार्यक्रम का मूल उद्देश कोचिंग के साथ-साथ परीक्षा की वर्तमान मांगों के अनुरूप छात्रों को व्यक्तिगत तौर पर मार्गदर्शन और सलाह आधारित तैयारी करवा कर सक्षम बनाना है। लाइब्रेरी एवं रीडिंग रूम इन सब कार्यों के अतिरिक्त अनुकूल वातावरण उपलब्ध कराने के लिए लाइब्रेरी और रीडिंग रूम की भी व्यवस्था कैंपस में की गयी है। यह युवाओं के द्वारा ही रायपुर में वर्ष 2020 से शुरू किया गया एक गैर-लाभकारी सामाजिक संस्थान है।

कर्मा जयंती पर दिया गया स्वच्छता एवं नशा मुक्ति का संदेश

पाटन विधानसभा। पाटन ब्लाक के ग्राम पौहा में स्थानीय साहू समाज द्वारा कर्मा जयंती समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें महिलाओं के द्वारा विशाल कलश यात्रा निकाल स्वच्छता का संदेश दिया गया।कार्यक्रम की शुरुआत भक्त माता कर्मा की कलश यात्रा एवम् महा आरती के साथ हुआ। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अशोक साहू उपाध्यक्ष जिला पंचायत दुर्ग थे।अध्यक्षता डॉ गुलाब साहू उपाध्यक्ष तहसील साहू संघ पाटन ने की।विशिष्ट अतिथि के रूप में रविशंकर साहू अध्यक्ष परीक्षेत्र जामगांव आर, मनीष कुमार साहू श्रीमती भुनेश्वरी साहू उपाध्यक्ष द्वय परिक्षेत्र जामगांव आर, जीवन लाल साहू वरिष्ठ सलाहकार, द्वारिका प्रसाद साहू कोषाध्यक्ष परीक्षेत्र जामगांव आर, श्रवण कुमार ठाकुर सरपंच ग्राम पंचायत पौहा, उपसरपंच उत्तम साहू जी उपस्थित रहे।

ज्ञात हो कि 18 मार्च 2023 से माता कर्मा की 1007 वी जयंती पूरे प्रदेश में लगातार मनाई जा रही है। ग्राम पौहा के साहू समाज द्वारा पिछले वर्ष परिक्षेत्रीय कर्मा जयंती भव्य रूप से मनाया गया था।

तब से लगातार सिलसिला प्रारंभ हो चुका है। पूरे ग्रामीण जन बड़े ही उत्साह के साथ इस आयोजन में भाग लिए हैं। बीच-बीच में सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ अतिथियों का उद्बोधन प्राप्त हुआ। वरिष्ठ सलाहकार जीवन साहू जी स्वागत भाषण प्रस्तुत किया।मुख्य अतिथि अशोक साहू ने कहा भक्त माता कर्मा अपने कर्म के द्वारा महान बनी।

जिसे आज हम सब लोग आराध्य देवी के रूप में पूजते हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे तहसील उपाध्यक्ष डॉ गुलाब साहू ने कहा की मां कर्मा सेवा त्याग समर्पण की देवी है इनके जीवन से आत्मबल, साहस, निर्भीकता, पुरुषार्थ, समानता और राष्ट्र भावना की शिक्षा मिलती है। शिक्षा एवं स्वास्थ्य पर प्रकाश डालते हुए युवाओं को समाज में बढ़ चढ़कर भाग लेने के लिए प्रेरित किए।

नशा से परिवार बिखरता है। इन से दूर रहने की बात कही। विशिष्ट अतिथि रूपचंद साहू जी ने कहा ग्राम पोहा मेरा हृदय स्थल है । मैं हर स्तर पर चाहे आर्थिक हो या सामाजिक में सहयोग करता रहूंगा।

विशिष्ट अतिथि जामगांव परिक्षेत्रीय अध्यक्ष रविशंकर साहू ने कहा कि समाज में व्याप्त कुरीतियों को हम सबको मिलकर रोकना होगा। कविता साहू (जनपद सदस्य पाटन), द्वारिका साहू, मनोनित उपाध्यक्ष रामनाथ साहू,लोकेश साहू, दिलीप साहू, धनेश्वर साहू सहित सभी ने मां का गुणगान गया।परिक्षेत्र साहू संघ जामगांव आर के युवा उपाध्यक्ष मनीष कुमार साहू ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि हम सब मां कर्मा के वंशज हैं।इस कार्यक्रम में मातृशक्तियों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

इस कार्यक्रम में प्रेम लाल साहू, गीताग्यश्याम साहू ,रोहित साहू संतराम साहू ,शेखर साहू ,रेख लाल साहू, तेजराम साहू सुमन साहू चिंता राम साहू, मनोज साहू, कौशल साहू, दयाराम साहू, बलदेव साहू , महेश चंद्राकर, सेवक चंद्राकर,श्रीमती राम कुमारी साहू, भगवंती साहू, कुमारी साहू आदि उपस्थित थे।

विधवा माताओं को शुभ कार्य मे शामिल किये जाने का निर्णय लिया

■ अरसनारा परिक्षेत्र स्तरीय कर्मा जयंती में प्रतिभाओं का सम्मान हुआ

पाटन विधानसभा। परिक्षेत्रीय साहू संघ अरसनारा द्वारा परिक्षेत्र स्तरीय कर्मा जयंती महोत्सव समारोह का आयोजन रविवार को किया गया। कार्यक्रम की शुरुवात कलश शोभायात्रा निकालकर की गई। तत्पश्चात कृष्ण - कर्मा की आरती पूजा की गई। इस मौके पर समाज के प्रतिभावान छात्र -छात्राओं एवं विभिन्न क्षेत्र में विशेष प्रदर्शन करने वालों का भी सम्मान किया गया। इस मौके पर समाज के महिलाओं एवं बच्चों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शिक्षा प्रद प्रहसन प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सांसद विजय बघेल ने कहा भक्त माता कर्मा ने अपने त्याग और तपस्या से साहू समाज का उद्धार किया। समाज को संगठित करने भक्त माता कर्मा को अपने आत्मा में बसाना होगा। साहू समाज ग्रामीण इकाई से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक माता कर्मा की जयंती मना कर सामाजिक एकता का बोध कराते है। जब अन्य समाज में सामाजिक संगठन की बात आती है तब वे लोग भी साहू समाज का अनुसरण करते है। जिला अध्यक्ष नंदलाल साहू ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा समाज मे युवाओं को जोड़ना होगा। समाज से युवाओं को संस्कार और संस्कृति दोनो मिलता है। परिवार में संस्कार की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। बच्चों की प्रथम गुरु माँ है। माताओं के सम्मान में साहू समाज द्वारा विधवा माताओं को हर शुभ कार्य मे शामिल किये जाने का निर्णय लिए है। प्रतिभावान छात्र छात्राओं के लिये जिला साहू संघ दुर्ग द्वारा निशुल्क प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी करवा रहे है। महिलाओं को स्वावलंबी बनाने सिलाई एवं ब्यूटी पार्लर का प्रशिक्षण दे रहे है।समाज को मजबूत बनाने परिवार को मजबूत बनाना होगा।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए तहसील अध्यक्ष दिनेश साहू ने ग्राम गातापार में 21 एवं 22 अप्रैल को आयोजित तहसील स्तरीय कर्मा जयंती महोत्सव एवं सामूहिक आदर्श विवाह में विवाह योग्य जोड़ा का पंजीयन करवाने की अपील किया।कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य हर्षा चन्द्राकर,जिला प्रतिनिधि गंगादीन साहू, महासचिव खेमलाल साहू,उपाध्यक्ष डॉ गुलाब साहू, सरिता साहू,सरपंच जवाहर लाल चंद्राकर, धनराज साहू, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष टेस राम साहू,रविशंकर साहू,डुलेश्वर साहू,पूर्व कोषाध्यक्ष महेंद्र साहू, महिला संयोजिका कमलेश्वरी साहू, युवा प्रकोष्ट संयोजक गोपेश साहू ने भी सामाजिक सन्देश दिया। कार्यक्रम का संचालन हरिशंकर साहू ने एवं आभार प्रदर्शन कौशल बनपेला ने किया। मौके पर प्रमुख रूप से किशन हिरवानी,भीखम साहू,संतोष साहू,पंकज चंद्राकर,कृष्ण कुमार साहू,शशिभूषण साहू,विमला साहू,उषा साहू,अर्जुन गजपाल,केंवरा साहू,हेमलता साहू,होमिन साहू,नरेश साहू,विनोद साहू,बलराम साहू,सोहन साहू,पूना राम साहू,उदय राम साहू,तोरण साहू,खोमलाल साहू,इंद्राणी साहू,भोलाराम साहू,दयानंद साहू,जितेंद्र गजपाल,सालिक साहू,बाबूलाल साहू,दानिराम सोनबोइर,महेंद्र साहू,घासीराम साहू,रेखराम साहू,जागेश्वरी साहू,सुलेन साहू,नंद साहू,दिनेश साहू,दरबारी साहू, धन्नू साहू,तारण साहू,गिरधर साहू,बुलाकी साहू,भुलेश्वरी साहू,लोकेश्वर साहू,देवेंद्र साहू,जैनेंद्र गंजीर,द्वारिका साहू,गरीबदास साहू,देवकी साहू,प्रमोद साहू,प्रतिभा साहू,टिकेश साहू,मधु साहू,डिलेश्वर साहू,दिलीप साहू,प्रेमलता साहू,तिलेश्वरी साहू,संतोषी साहू,सहित 20 इकाई के पदधिकारी एवं ग्रामीण उपस्थित थे।

तहसील साहू संघ पाटन के अनेक इकाई में भक्त माता कर्मा की जयंती महोत्सव बड़े धूम-धाम से मनाई

पाटन। तहसील साहू संघ पाटन के विभिन्न इकाई ग्राम में तैलिक वंश की आराध्य देवी भक्त माता कर्मा की 1007 वीं जयंती महोत्सव कार्यक्रम रख गया।इसी क्रम में क्रमश: रानीतराई, खम्हरिया,चीचा तथा भनसूली (के) इकाई पर कर्मा जयंती महोत्सव बड़े ही हर्ष उल्लास के साथ मनाया गया !

भक्त माता कर्मा की आरती पश्चात नगर, मुहल्ले व गली में कलस यात्रा निकली गई! स्थानीय इकाई की बेटा - बेटियों के द्वारा गीत, नृत्य व प्रहसन की प्रस्तुति दिया गया!

स्थानीय साहू समाज भन्सूली में भव्य विशाल कर्मा जयंती महोत्सव अवसर पर रात्रि कालीन छत्तीसगढ़ लोक कला मंच छेरछेरा का कार्यक्रम प्रस्तुति किया गया! कार्यक्रम के अतिथि श्रीमती चन्द्रिका साहू उपाध्यक्ष प्रदेश साहू संघ रायपुर, नन्दलाल साहू अध्यक्ष जिला साहू संघ दुर्ग।

महिला मोर्चा रिसाली मण्डल ने महिला दिवस का आयोजन किया

भिलाई नगर। भारतीय जनता पार्टी रिसाली मंडल महिला मोर्चा के तत्वाधान में महिला दिवस का आयोजन भिलाई होटल मे किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भिलाई भाजपा जिला अध्यक्ष बृजेश बिजपुरिया थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में गौरीशंकर श्रीवास दुर्ग ग्रामीण विधानसभा प्रभारी ,जिला महामंत्री योगेंद्र सिंह, प्रेम लाल साहू, जिला उपाध्यक्ष राम कुमार राणा ,युवा मोर्चा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य विक्की सोनी ,जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष स्वीटी कौशिक,महामंत्री सरला आचार्य, कंचन सिंह, रिसाली मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शेंडे, महामंत्री राकेश जंगेल, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ प्रदेश सदस्य शोभना परहाड़, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जिला संयोजक एवं पार्षद माया यादव ,पूर्व जिला उपाध्यक्ष आशा उमरे थे।कार्यक्रम का सुभारम्भ पंडित दीनदयाल उपाध्य व भारत माता एवम श्यामा प्रसाद मुखर्जी के तेल चित्र पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ किया ।श्वेता यादव द्वारा वंदे मातरम, राज्यगीत अर्पा पैरी के धार की प्रस्तुति की गई।इसके बाद रिसाली मंडल महिला मोर्चा अध्यक्ष रुकमणी साहू के द्वारा स्वागत गीत स्वागत भाषण प्रस्तुत किया गया । कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए मुख्यतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष बृजेश बिजपुरिया ने कहा कि मेरा बूथ सबसे मजबूत कैसे किया जाए ।इस पर मार्गदर्शन दिया गया।भारतीय जनता पार्टी देश के लिए क्यों जरूरी है। इस पर अपने विचार व्यक्त किए। भिलाई जिला की महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष स्वीटी कौशिक के द्वारा नारी चरित्र पर प्रकाश डाला गया। रिसाली मंडल अध्यक्ष शैलेंद्र शिंडे ने अपने उद्बोधन में पुत्री पवित्र के कुल दोऊ पर अपने विचार व्यक्त किए ।गौरीशंकर श्रीवास द्वारा कांग्रेस पार्टी पर प्रहार किया और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार एवं रोजगार और पूर्ण शराबबंदी होनी चाहिए। इस पर अपने उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रिसाली मंडल की महिला मोर्चा महामंत्री करुणा यादव के द्वारा व आभार प्रदर्शन उषा साहू के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से विनीता पांचाल, पदमा वर्मा,श्यामली सोनी,स्नेहल पिंपलापुरे, सुनीता पंडित,संध्या मंडलोई,सुलोचना साहू।

सीएम को ग्राम पुरई के ग्रामीणों की ओर से अनोखा पत्र मिला

दुर्ग ग्रामीण। सी एम भूपेश बघेल का भेट मुलाकात कार्यक्रम ग्राम पुरई के हाईस्कूल मैदान में सम्पन्न हुआ।जिसमें ग्रामीणो के द्वारा हस्ताक्षरित एक अनोखा पत्र मिला है।

जिसमें ग्रामीणों ने लिखा है कि गाँव पुरई के अराध्य देव शक्ति भगवान के मंदिर में अवैध रूप से लगाये गया है। स्थल से अवैध कब्जा हटाये जाने बाबत् बाबत। गाँव में शक्ति मंदिर स्थिर है, जो गाँव की प्राचीन मंदिर है और मंदिर में स्थित देव गाँव के अराध्य देव है जिसकी पूजा अर्चना गाँव के लोग कई वर्षों से करते आ रहे हैं। गाँव के सभी व्यक्ति, किसान, मजदूर अपने किसी भी कार्य, कृषि कार्य के सफ्लता के लिए देव की पूजा अर्चना करते हैं।साथ ही त्यौहारों में वहाँ पूजा-पाठ करने लोगों की अत्यधिक भीड़ लगा रहता है। लेकिन ग्राम पुरई के बलराम राजपूत ने दबंगता पूर्वक उक्त मंदिर में ताला लगा दिया है। जिससे गाँव के लोगों को पूजा-पाठ करने में परेशानी हो रही है। बलराम राजपूत ने उक्त मंदिर के सामने भाग को अतिक्रमण कर ईट से दुकान बना रहा है। जिससे हम सभी लोग मंदिर के ताला को खोलने एवं अतिक्रमण नहीं करने कहा तो बलराम राजपूत हम सभी लोगों से कहता है कि मंदिर का ताला नहीं खोलूँगा? आप लोगों को जो करना है सो कर लो ,और कहता है कि मंदिर का ताला नहीं खोलूंगा।

मैं पहुँच वाला एवं दाऊ व्यक्ति हूँ, मेरा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता।बलराम राजपूत के इस कार्य से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस संबंध में उच्च अधिकारियों को आवेदन दिया गया है फिर भी कोई कार्यवाही नहीं किये है।अत: मुख्यमंत्री से निवेदन है कि शक्ति मंदिर में लगाये गये ताले को बलराम राजपूत से खुलवाये जाने एवं मंदिर के सामने पूजा स्थल पर बलराम राजपूत द्वारा किये जा रहे अतिक्रमण को हटाये जाने की कृपा करेंगे।

कलेक्टर जनमेजय महोबे ने मात्स्यिकी महाविद्यालय का किया औचक निरीक्षण

■ महाविद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों सहित प्रायोगिक कार्यों की ली जानकारी

कवर्धा। कलेक्टर जनमेजय महोबे ने जिले में संचालित प्रदेश के एक मात्र मात्स्यिकी महाविद्यालय स्व. श्री पुनाराम निषाद मात्स्यिकी महाविद्यालय का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान कलेक्टर श्री महोबे ने महाविद्यालय में चल रहे विभिन्न गतिविधियों की जानकारी ली।

कलेक्टर महोबे ने सभी संकायों के जलीय जीव पालन, मात्स्यिकी संसाधन प्रबंधन, मात्स्यिकी आधार विमान एवं मानविकी जलीय पर्यावरण और स्वास्थ्य प्रबंधन एवं मत्स्य दोहन एवं प्रसंस्करण का भ्रमण कर विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं लैब, कक्षाओं, सेमिनार हाल एवं स्वच्छता का अवलोकन किया। साथ ही विभिन्न संकायों में अध्ययनरत् विद्यार्थियों की संख्या की जानकारी ली। कलेक्टर ने कहा कि मात्स्यिकी महाविद्यालय एवं मछली पालन विभाग को मिलकर जिलास्तर पर कृषकों एवं छात्रों के लिए एक कार्यशाला आयोजित करें। जिससे जिले के मछली पालन करने वाले किसानों को इस संबंध में विभिन्न गतिविधियों की जानकारी मिलेगी। इसके साथ ही अन्य नागरिक मछली पालन के प्रति जागरूक होंगे और रोजगार भी मिलेंगे।उन्होंने महाविद्यालय के गतिविधियों को ज्यादा से ज्यादा कृषकों से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने प्राध्यापकों को विद्यार्थियों के पढ़ाई के साथ बिजनेस मॉडल का संयुक्त कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए। जिससे पढ़ाई के साथ व्यवसायिकरण की जानकारी भी विद्यार्थियों को होगी।

कलेक्टर महोबे ने महाविद्यालय के उत्तीर्ण छात्रों की प्लेसमेंट, शैक्षणिक सफ्लताओं एवं अनुसंधान कार्यों की जानकारी ली। महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. दुष्यंत कुमार दामले ने बताया कि विद्यार्थियों का शत प्रतिशत प्लेसमेंट हो रहा है। इसके साथ ही विद्यार्थियों द्वारा अनेक उपलब्धियां प्राप्त की गई है। कलेक्टर ने उनकी उपलब्धियों की प्रशंसा करते हुए बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय परिसर में उपलब्ध स्थान में मछली पालन प्रायोगिक के लिए तालाब का निर्माण कराएं। इस दौरान मछली पालन विभाग के सहायक संचालक आर. डी. सिंह, महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. दुष्यंत कुमार दामले, डॉ पवीत्र बारिक, डॉ जितेन्द्र कुमार जाखड़, डॉ. बी. नाईटिंगेल देवी एवं कर्मचारीगण श्री रामूलाल कश्यप, श्री ज्योति राम खरे, श्री प्रदीप सिंह सिदार, श्री एम. राम प्रसाद राव, वशिष्ट मुनि गुप्ता एवं अन्य शिक्षक उपस्थित थे।

कलेक्टर महोबे ने महाविद्यालय के विद्यार्थियों से चर्चा कर उनकी शैक्षणिक गतिविधियों की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि महाविद्यालय में प्रायोगिक के लिए बहुत अच्छी उपकरण की सुविधा दी गई है।

ग्रामीणों की धमकियां एवं वाद-विवाद के बीच नायब तहसीलदार, पुलिस व पंचायत प्रतिनिधि डटे रहे

पाटन के ग्राम साकरा मे दर्जन से अधिक अतिक्रमण हटाए गए

पाटन विधानसभा। पाटन ब्लाक के ग्राम सांकरा(अमलेस्वर) में अवैध कब्जा की जमीन पर डेयरी का व्यापार करने वालों पर सोमवार को पंचायत व राजस्व विभाग की गाज गिरी। करीब एक दर्जन स्थानों से ग्राम पंचायत ने अतिक्रमण हटाया कानून व्यवस्था और ला एंड आर्डर की स्थित न बिगड़े इसके लिए भारी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर बुलाया गया था।

वहीं नायब तहसीलदार आलोक वर्मा अपनी पूरी टीम के साथ दिन भर मौजूद थे। अतिक्रमणकारियों ने नायब तहसीलदार काफी बहज बाजी हुई। पंचायत प्रतिनिधियों ने बताया कि कुछ अतिक्रमण अतिक्रमण हटाने टीम जेसीबी लगाया गया था। इसके बाद भी सुबह 11 बजे शुरू हुई कार्रवाई शाम तक चलती रही। शुरुआत में सहित ग्राम पंचायत के प्रतिनिधियों से करने वाले देख लेने के धमकी भी दे रहे थे। सरपंच श्रीमती रेमन जांगड़े ने बताया कि धमकी देने वालों के खिलाफ नामजद सूचना थाने में दी जाएगी।ग्राम सांकरा में एक दर्जन से अधिक स्थानों पर अतिक्रमण कर डेयरी का संचालन कर रहे थे। बताया जा रहा है कि मांग राजस्व विभाग से की थी। मामले में राजस्व विभाग ने जांच के बाद आदेश जारी किया कि अतिक्रमण हटाया जाए। ग्राम पंचायत ने आज अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। इस अवसर पर नायब तहसीलदार आलोक वर्मा पटवारी राजस्व निरीक्षक के साथ मौजूद थे।

कानून व्यवस्था न बिगड़े इसलिए लिए अमलेश्वर थाना एवं

पाटन से पुलिस के अलावा पुलिस लाइन भी बल मंगाया गया था। अतिक्रमण हटाने गए पंचायत के पदाधिकारियों एवं राजस्व के अन्य पदाधिकारी भी मौके पर पहुंचे थे। कि कुछ लोग बेवजह वाद-विवाद कर रहे थे वहीं उन्हें देख लेने की धमकी कुछ जारी रहा। लोगों द्वारा दिया गया है। इसकी सूचना थाने में करने की बात कही है। ग्राम साकरा में डेयरी का कार्य करने वाले लोगों द्वारा गोबर एवं मल मूत्र को फेंक दिया जाता है।

इससे किसानों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। किसानों ने बहुत बार पंचायत से भी शिकायत किया था। डेयरी को हटाया जाए इससे ग्रामीण राहत की सांस ले सके। आलम यह है कि आसपास के खेतों में गोवर, गोबर का पानी जाने से वहां पर खेतों में काम करने के लिए मजदूर भी नहीं पंचायत ने ग्रामीणों की समस्या को देखते हुए अतिक्रमण हटाने का सिलसिलाजो डेयरी का संचालन कर रहे थे ।अपनी विभाग के अधिकारियों को शुरू में काफी जा पाते। वहीं खेती की फसल भी प्रभावित जमीन के साथ-साथ आगे की शासकीय दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बाद होती हैं। इस कारण ग्रामीणों ने अतिक्रमण भूमि पर भी पक्का डेयरी बना लिया था विवाद भी हुआ। सरपंच एवं ग्राम पंचायत हटाने की मांग ग्राम पंचायत से किया था। इसकी शिकायत करीब 2 साल पहले ग्रामीणों ने राजस्व विभाग से किया था। ग्राम के सरपंच रेमन जांगड़े का कहना था हुए तत्काल इस पर आज कार्रवाई करते ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत एवं ग्राम सभा का प्रस्ताव लेकर भी अतिक्रमण हटाने की पाटन ब्लाक के ग्राम धौराभाठा मे पाटन विकासखण्ड स्तरीय जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन सोमवार को किया गया।जिसमें अपैक्स बैंक के डायरेक्टर राकेश ठाकुर,जनपद पंचायत पाटन के उपाध्यक्ष देवेंद्र चंदवासी, पाटन के अनिविभाग अधिकारी विपुल कुमार गुप्ता, तहसीलदार सोनी सहित ग्रामीण जन व ब्लाक के अधिकारी उपस्थित थे।

स्वत्वाधिकारी , प्रकाशक, एवं मुद्रक ज्वाला प्रसाद अग्रवाल द्वारा असमा पब्लिशर्स प्रा. लि. जयस्तंभ चौक, रायपुर, पिन - 492001 छत्तीसगढ़ से मुद्रित एवं झुलेलाल मंदिर के पीछे, पाटनकर कालोनी, सिंधी कालोनी, दुर्ग पिन- 491001 (छ.ग.) से प्रकाशित।
संपादक - ज्वाला प्रसाद अग्रवाल । e mail - jwalaexpress@gmail.com , मोबाईल- 9993590905, 700489995